संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 193
पृष्ठ 8
शुक्रवार
03 अप्रैल 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- त्वचा पर नहीं दिखेगा बढ़ती...

विचार- युद्ध को लेकर मोदी का देश को...

खेल- आज ही के दिन खत्म हुआ था 28 साल...

पश्चिम एशिया संकट पर राजनाथ सिंह ने कहा-

किसी भी हालात का सामना करने को भारत तैयार

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को केरल के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने देश में ईंधन और गैस की किसी भी तरह की कमी के दावों को नकार दिया। इसी के साथ राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत पश्चिम एशिया के हालातों पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि देश किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। केरल विधासभा चुनाव के मद्देनजर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को राज्य में प्रचार की कमान संभाली। इस दौरान राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में ईंधन या गैस की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी ऊर्जा संकट से निपटने के लिए तैयार है। केरल में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना हमारे टैंकरों

को होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित रूप से ला रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के हितों की रक्षा के लिए अपनी कूटनीतिक कुशलता का इस्तेमाल कर रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा, आज हम सभी बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रहे हैं। पश्चिम एशिया में बहुत बड़ा संघर्ष चल रहा है। केरल के बहुत सारे लोग इन देशों में रहते हैं और काम करते हैं, लेकिन हमें किसी भी प्रकार की चिंता नहीं करनी चाहिए, क्योंकि हम अपने भारतीय नागरिकों की रक्षा और सुरक्षा के लिए कोई भी कदम उठाने में पीछे नहीं रहेंगे। इसके लिए हम पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा, ष्कुछ लोग पश्चिम एशिया के इस संघर्ष के कारण झूठ फैलाकर तनाव फैलाना चाहते हैं। न तो देश में पेट्रोल–डीजल की कमी है, न तो गैस की कमी है और भारत किसी भी संकट से निपटने के लिए तैयार है। हमारी नौसेना स्टेट ऑफ होर्मुज से भारतीय टैंकरों को सुरक्षित तरीके से निकाल रही है, जबकि विपक्ष इस संकट के समय देश के साथ खड़े होने के बजाय निम्न स्तर की राजनीति कर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा, ष्मैंने देश के गृह मंत्री के रूप में भी काम किया है और आज मैं रक्षा मंत्री के रूप में देश को अपनी सेवा दे रहा हूं। पिछले 11 वर्षों में चाहें वो आंतरिक सुरक्षा की बात रही हो या चाहें बाहर के दुश्मनों से सुरक्षा की बात रही हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को ताकत दी है। ये बदलाव पूरी दुनिया को हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला है। उन्होंने कहा, ष्जब कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए सरकार का शासन था तो कैसे हालात थे याद कीजिए। आए दिन कोई न कोई घटना होती थी। जब से केंद्र में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार आई है, आतंकवादी घटनाओं पर न केवल लगाम लगी है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ हमने निर्णायक कदम भी उठाए हैं। पश्चिम एशिया संकट पर राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत पश्चिम एशिया की स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है।

ममता के गढ़ भवानीपुर में गरजे अमित शाह

बिना किसी डर वोट दें, टीएमसी को उखाड़कर बंगाल की खाड़ी में फेंक दें

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कोलकाता में एक राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और उसे बंगाल की खाड़ी में बहा दिया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं है क्योंकि कोई भी गुंडा पश्चिम बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। अमित शाह ने कोलकाता में एक चुनावी रैली में कहा कि इस बार किसी को डरने की जरूरत नहीं हैय कोई गुंडा बंगाल के मतदाताओं को नहीं रोक सकता। हर किसी को बिना किसी डर के मतदान करना चाहिए ताकि टीएमसी को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके और

उसे बंगाल की खाड़ी में बहा दिया जा सके। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में बदलाव आएगा। लेकिन आप भाबनीपुर में बदलाव चाहते हैं या नहीं? मैं यहां अपने उम्मीदवार सुवेंदु अधिकारी के लिए आपके वोटों की अपील करने आया हूं। बंगाल में लगभग हर दिन बम हमले और गोलीबारी की खबरों का हवाला देते हुए अमित शाह ने कहा कि न केवल बंगाल में बल्कि ममता बनर्जी के निर्वाचन क्षेत्र भाबनीपुर में भी बदलाव आएगा। गौरतलब है कि अमित शाह ने गुरुवार को भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के नामांकन दाखिल करने के कार्यक्रम में भाग लिया और उनके साथ रोड शो किया। रोड शो भाबनीपुर के विभिन्न हिस्सों से होते हुए सर्वे भवन पर समाप्त हुआ, जहां अधिकारी अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

असम में एडीए को 100 सीटें, कांग्रेस दहाई में सिमटेगी-हिमंता बिस्वा

दिसपुर,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने प्रत्येक राजनीतिक दल को मिलने वाली सीटों की संख्या के बारे में अपनी भविष्यवाणियां जारी की हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया है कि आगामी विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ एनडीए कुल 126 सीटों में से 90–100 सीटें जीतेगा। सरमा ने पत्रकारों से कहा कि हम आगामी चुनावों में 90–100 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस को 16–17 सीटें, अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट) को 5–6 सीटें, रायजोर दल को 1 सीट और असम जातीय परिषद को कोई सीट नहीं मिलेगी। हम तिहू और नलबाड़ी सीटों पर अच्छे अंतर से आराम से जीत हासिल करेंगे। अखिल गोगोई की पार्टी रायजोर दल दिहिंग में केवल एक सीट जीतेगी। शिवसागर में कड़ी टक्कर होगी, लेकिन अंत में एनडीए उम्मीदवार ही जीतेगा। पहले भी कई चुनावों से पहले उनकी कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम धुबरी और गोलकगंज जीतेंगे। गुवाहाटी में कोई मुकाबला नहीं है क्योंकि हम गुवाहाटी की सभी सीटें अच्छे अंतर से जीतेंगे। डिब्रूगढ़ की सभी लोकसभा सीटों पर हम जीत दर्ज करेंगे। हम लखीमपुर और काजीरंगा की लोकसभा सीटें भी जीतेंगे। सभी सीटों पर हमारे एनडीए उम्मीदवार आराम से जीतेंगे। उन्होंने कहा कि ऊपरी असम में कांग्रेस की स्थिति अच्छी नहीं है। भाजपा ने ऊपरी असम की सभी सीटों पर कब्जा कर लिया है। एक राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि अधिकांश सीटों पर चाय बागानों में रहने वाली जनजातियाँ बहुसंख्यक हैं और वे कांग्रेस से भाजपा की ओर मुड़ गई हैं। पहले ऊपरी असम कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था, लेकिन 2016 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने उनसे अधिकांश सीटें छीन लीं। असम में 9 अप्रैल को सभी 126 विधानसभा सीटों पर एक ही चरण में चुनाव होंगे। इस बीच, मुख्य विपक्षी कांग्रेस ने कहा है कि मुख्यमंत्री दिवास्वप्न देख रहे हैं।

केरल के रण में प्रियंका की हुंकार, केंद्र और एलडीएफ सरकार का किया घेराव

तिरुवनंतपुरम वायनाड की सांसद और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को तिरुवनंतपुरम के चिरायिनकीझु में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए केरल विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान की शुरुआत की। अपने संबोधन में उन्होंने केरल की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान किया, तो वहीं सत्ताधारी दलों की नीतियों की जमकर आलोचना भी की।

प्रियंका गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत केरल के सामाजिक सुधारों और समानता की संस्कृति की सराहना से की। उन्होंने महान समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को प्रेरणास्रोत बताते हुए कहा कि केरल का सामाजिक ताना–बाना ही असली भारत की आत्मा है, जहाँ विभिन्न समुदाय सदियों से आपसी सम्मान के साथ रहते आए हैं। उन्होंने नर्सों, आशा कार्यकर्ताओं और किसानों के योगदान की सराहना करते हुए इसे सेवा और समर्पण का प्रतीक बताया। केरल की एलडीएफ सरकार को आड़े हाथों लेते हुए प्रियंका ने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी और कम वेतन के मुद्दे उठाए। उन्होंने कहा राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली कमजोर हो रही है, अस्पतालों में न तो पर्याप्त कर्मचारी हैं और न ही उपकरण। आशा कार्यकर्ताओं, मछुआरों और पारंपरिक कोयर (नारियल जटा) उद्योग से जुड़े लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है।

राहुल गांधी ने हिमंत को बताया सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री, कहा-

मोदी–शाह के साथ मिलकर असम में चला रहे लैंड एटीएम

बोकाजान,एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री बताते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर राज्य में लैंड एटीएम चला रहे हैं और आम लोगों से जमीन छीनकर बड़े उद्योगपतियों को दे रहे हैं। बोकाजान विधानसभा क्षेत्र में पार्टी उम्मीदवार रतन इंगती के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग असम और उसके लोगों के लिए खड़े थे और कांग्रेस पार्टी राज्य में सत्ता में आने के 100 दिनों के भीतर उनकी मौत के मामले में न्याय दिलाएगी। राहुल ने कहा, भारत के सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा हैं और उनका परिवार भी भ्रष्टाचार के मामले में पहले नंबर पर है। कांग्रेस सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई करेगी। अभी वह चाहे जितनी

डींगें मार लें, उसके बाद वह पूरी तरह चुप हो जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री असम को गिरोहों के माध्यम से चला रहे हैं और उनके भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण मोदी ने उन पर पूरी तरह से नकेल कसी हुई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने दावा किया कि असम में तीन बड़े कॉरपोरेट घरानों को कुल 98,400 बीघा जमीन सौंप दी गई है। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और हिमंत विश्व शर्मा ने असम में एक लैंड एटीएम बना दिया है। वे लोगों से जमीन छीनते हैं और बड़े उद्योगपतियों को दे देते हैं। प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग का जिक्र करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वह पूरे राज्य और उसके लोगों का प्रतिनिधित्व करते थे। गर्ग की पिछले साल सितंबर में सिंगापुर में डूबने से मौत हो गई थी। कांग्रेस नेता ने कहा, वह किसी एक व्यक्ति, एक समुदाय, एक भाषा या एक इतिहास के लिए नहीं खड़े थे। वह असम की बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक परंपरा की भावना को दर्शाते थे। हम सत्ता में आएंगे तो 100 दिनों के भीतर न्याय दिलाएंगे और यह 100 प्रतिशत तय है। राहुल ने यह भी कहा कि कांग्रेस विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम को दिल्ली से चलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, यही भाजपा और कांग्रेस के बीच का अंतर है। असम में विभिन्न विचारधाराओं, पहचानों, धर्मों और जातियों के लोग रहते हैं, जो विभिन्न फूलों के गुलदस्ते की तरह है। हम चाहते हैं कि लोग इसी तरह रहें। उन्होंने कहा, हम संविधान के अनुच्छेद 244(ए) को पूरी तरह लागू करने का वादा करते हैं। कार्बी आंगलोंग और छठी अनुसूची के सभी क्षेत्रों का शासन स्थानीय लोगों द्वारा किया जाएगा, न कि गुवाहाटी या दिल्ली से। राहुल ने कहा कि कांग्रेस सरकार के तहत आदिवासी आबादी के सभी अधिकारों और पहचान की पूरी तरह से रक्षा की जाएगी। भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि यह नयी दिल्ली के लिए नुकसानदेह है, क्योंकि अमेरिकी वस्तुओं पर कर कम किए गए हैं और भारतीय बाजार को उनके लिए खोल दिया गया है।

राघव चड्ढा पर गिरी गाज, आप ने राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया

नयी दिल्ली,एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए राज्यसभा में अपने उप नेता पद से राघव चड्ढा को हटा दिया है। इस संबंध में पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को आधिकारिक पत्र भेजकर जानकारी दी है। साथ ही, पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि अब संसद में राघव चड्ढा को बोलने के लिए समय आवंटित न किया जाए। उनकी जगह पंजाब से राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक मित्तल को नया उप नेता नियुक्त किया गया है। पिछले कुछ समय से राघव चड्ढा और पार्टी

नेतृत्व के बीच मतभेदों की खबरें सामने आ रही थीं। हालांकि, ।च की ओर से किसी भी तरह के विवाद या अलगाव को लेकर कोई औपचारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन इस फैसले को इन अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है। राज्यसभा में ।च के कुल 10 सदस्य हैं, जिनमें से सात पंजाब और तीन दिल्ली से हैं। राघव चड्ढा पार्टी के शुरुआती दिनों से ही जुड़े रहे हैं और उन्होंने 2012 में अरविंद केजरीवाल के साथ अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की थी। पार्टी में उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती गई–वे राष्ट्रीय प्रवक्ता बने और 2015 में दिल्ली में आप की जीत के बाद सबसे कम उम्र के कोषाध्यक्ष भी बने। हालांकि, 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्हें दक्षिण दिल्ली सीट से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन 2020 में उन्होंने राजेंद्र नगर से विधानसभा चुनाव जीतकर वापसी की। साल 2022 में वे 33 वर्ष की उम्र में राज्यसभा के सबसे युवा सांसद बने और पार्टी के संसदीय कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। 2023 में उन्हें संजय सिंह की जगह राज्यसभा में पार्टी का नेता बनाया गया था। अब नए बदलाव के साथ डॉ. अशोक मित्तल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो आगे पार्टी की संसदीय रणनीति को दिशा देंगे।

परंपरा और आधुनिकता का शानदार मिश्रण है महाराष्ट्र का पुणे

–यहां का आबोहवा आम तौर पर सुखद और शीतल होता है, पूरे साल मध्यम रहता है तापमान

–खानपान में मिसल पाव और बाकरवड़ी यहां की पहचान, संतों की नगरी भी कहते हैं

प्रशांत श्रीवास्तव

पुणे अपने समृद्ध इतिहास, ऐतिहासिक स्थलों जैसे शनिवार वाड़ा दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर, पार्वती हिल, सिंहगढ़ जैसे कई किलों व आगा खान पैलेस के लिए मशहूर हैद्य पुणे महाराष्ट्र की सांस्कृतिक राजधानी और एक प्रमुख आईटी हब के रूप में जाना जाता है, जो परंपरा और आधुनिकता का शानदार मिश्रण भी हैद्य वैसे भी मराठा संस्कृति और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के लिए पुणे शहर प्रसिद्ध हैद्य यहॉ का मिसल पाव और बाकरवड़ी, पूरन पोली और बड़ा पाव बहुत प्रसिद्ध हैद्य पुणे का आबोहावा आम तौर पर सुखद और शीतल होता हैद्य शहर का तापमान पूरे साल मध्यम रहता है, जिससे यह एक आदर्श पर्यटन स्थल बन जाता हैद्य पुणे की हवा में प्रदूषण का स्तर मध्यम है, जो स्वास्थ्य के लिए थोड़ा हानिकारक हो सकता हैद्य यहां गर्मियों में तापमान 20–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता हैद्य सर्दियों में तापमान 10–20 डिग्री के बीच रहता है और बरसात के मौसम में जून से सितंबर तक मध्यम बारिश होती रहती हैद्य पुणे और उसके आसपास का क्षेत्र (विशेषकर आलंदी) महाराष्ट्र के वारकरी संप्रदाय का केंद्र रहा हैद्य यहॉ मुख्य रूप से संत ज्ञानेश्वर, संत सोपानदेव, संत निवृत्तिनाथ और संत मुक्ताबाई (संत ज्ञानेश्वर के भाई–बहन) का कार्यक्षेत्र रहा हैद्य इनके अलावा संत तुकाराम महाराज और संत नामदेव का भी इस क्षेत्र से गहरा आध्यात्मिक संबंध है।

'प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थलें'

पुणे में शानिवार वाडा है जो 18वीं शताब्दी में निर्मित यह ऐतिहासिक किला पुणे के इतिहास का प्रतीक हैद्य आगा खान पैलेस यह ऐतिहासिक महल महात्मा गांधी की जेल के रूप में प्रसिद्ध हैद्य सिंहगढ़ किला अपने विहंगम दृश्यों के लिए प्रसिद्ध हैद्य ओशो आश्रम अपने शांतिपूर्ण वातावरण और मेडिटेशन प्रोग्राम्स के लिए प्रसिद्ध हैद्य पाटलेश्वर गुफा मंदिर यह प्राचीन रॉक–कट मंदिर भगवान शिव को समर्पित हैद्य राजीव गांधी जूलॉजिकल पार्करू यह पार्क अपने विविध वन्यजीवों के लिए प्रसिद्ध हैद्य मुल्की डैम अपने सुंदर दृश्यों और जलक्रीड़ाओं के लिए प्रसिद्ध है। लाल महल यह ऐतिहासिक महल शिवाजी महाराज के बचपन का घर थाद्य सरस बाग यह सुंदर बगीचा अपने शांतिपूर्ण वातावरण के लिए प्रसिद्ध हैद्य एम्प्रेस गार्डन यह बगीचा अपने सुंदर फूलों और हरियाली के लिए प्रसिद्ध है।

'पुणे जिले की इतिहास'

पुणे जिले का इतिहास 8वीं शताब्दी से शुरू होता है, जब यह क्षेत्र यादव राजाओं के अधीन थाद्य मराठा साम्राज्य 17वीं शताब्दी में, शिवाजी महाराज ने पुणे को अपनी राजधानी बनाया और मराठा साम्राज्य की स्थापना कीद्य इसके बाद 18वीं शताब्दी में पेशवा शासन आया, इस दौरान पुणे एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और सांस्कृतिक केंद्र बन गयाद्य 1818 ब्रिटिश शासन में, पुणे एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक केंद्र बन गयाद्य स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पुणे ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसमें महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, और अन्य नेताओं ने भाग लियाद्य इसके अलावा आध्यात्मिक केंद्र भी पुणे रहाद्य एक महत्वपूर्ण आध्यात्मिक केंद्र में ओशो आश्रम के साथ कई अन्य आश्रम भी हैंद्य इसके अलावा शिक्षा और उद्योग के क्षेत्र में पुणे एक महत्वपूर्ण शिक्षा और उद्योग केंद्र है, जिसमें कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालय और कंपनियॉ हैं। पुणे जिले की कहानी 'काका मुझे बचाओ' बहुत विविध और रोमांचक है, जिसमें इतिहास, संस्कृति, और आधुनिकता का मेल है।

ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को सशक्त बनाना जरूरी

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों को केवल समायोजित करने के बजाय उन्हें समाज के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में पूर्ण रूप से सशक्त बनाया जाना चाहिए और यह एक साझा राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के तौर पर मनाने का ऐलान किया था। तब से हर साल दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। राज्यसभा में अपने संबोधन में सभापति ने कहा कि संसद ऑटिज्म से प्रभावित व्यक्तियों के अधिकारों की रक्षा और उनके कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने एक्स पर साझा की संगम के बड़े हनुमानजी की तस्वीर, हनुमत जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दीं

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हनुमाान जंयती पर बधाई देने के लिए सोशल मीडिया साइट एक्स पर जारी अपने शुभकामना संदेश में संगम तट पर स्थित श्री बड़े (लेटे) हनुमानजी का पूजन करते हुए चित्र साझा किया है। इसमें हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि महाराज भी

दिख रहे हैं। सभी देशवासियों को हनुमान जन्मोत्सव की अनंत शुभकामनाएं। यह पावन अवसर हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा और स्फूर्ति लेकर आए। मेरी कामना है कि पवनपुत्र हनुमान जी सभी को बल, बुद्धि और विद्या का भरपूर आशीर्वाद दें, जिससे देश का सामर्थ्य और बढ़े। जय बजरंगबली!

हनुमत जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में संगम तट पर स्थित श्री बड़े हनुमान मंदिर में भोर से ही अनुष्ठान शुरू हो गया है। मंदिर परिसर को भव्य तरीके से सजाया गया है। भोर में मंगला आरती का दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त जुटे। महंत बलवीर गिरी महाराज ने आरती उतारी। श्री बड़े हनुमान मंदिर के महंत और श्री बाघंबरी गद्दी पीठाधीश्वर महंत बलवीर गिरी महाराज ने बताया कि दोपहर दो बजे से हनुमानजी का महाभिषेक दूध, गंगा, पंचामृत, शहद, दही, गुलाबजल, पंचमेवा आदि से किया जाएगा। मठ में तैयार छप्पन भोग अर्पित किया जाएगा। साथ ही 100 किलो लड्डू का भी भोग लगेगा, जिसे भक्तों में प्रसाद के रूप में वितरित किया जाएगा। महंत ने बताया कि सुबह छह बजे से हनुमानजी का दर्शन करने के लिए मंदिर भक्तों के लिए खोल दिया गया। दोपहर बाद 4.30 बजे हनुमानजी की महाआरती होगी। शाम को भजन और सुंदरकांड का आयोजन किया गया है। मंदिर पर दिन भर भंडारा चलता रहेगा।

जुगाड़ ने चूल्हे में भरा डीजल का जोर, खर्च हुआ आधा, हीरालाल ने एमएनएनआईटी छात्रों की ली मदद

प्रयागराज। रसोई गैस की किल्लत के बीच माधवकुंज कटरा में अपने घर के बाहर चाय–पकौड़ी की दुकान लगाने वाले हीरालाल गुप्ता ने मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के छात्रों की मदद से जुगाड़ का एक ऐसा चूल्हा कर लिया, जो डीजल से जलता है। रसोई गैस की किल्लत के बीच माधवकुंज कटरा में अपने घर के बाहर चाय–पकौड़ी की दुकान लगाने वाले हीरालाल गुप्ता ने मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के छात्रों की मदद से जुगाड़ का एक ऐसा चूल्हा कर लिया, जो डीजल से जलता

है। यह काफी किफायती है और इससे उनका खर्च आधा हो गया है। कोविड काल में हीरालाल गुप्ता ने अपने घर के बाहर चाय–पकौड़ी की दुकान लगानी शुरू की थी। कुछ दिन पहले शुरू हुई रसोई गैस की किल्लत से उनका छोटा सा कारोबार चौपट होने लगा। आठ–दस दिन तक तो दुकान बंद रही, जिससे रोजी–रोटी पर संकट आ गया। इस बीच उन्होंने एक यूट्यूब चौनल पर डीजल से जलने वाला जुगाड़ का चूल्हा देखा। हीरालाल पेंटिंग का काम भी करते हैं और इस काम के सिलसिले में अक्सर एमएनएनआईटी जाते हैं। उन्होंने यहां के छात्रों को यूट्यूब पर जुगाड़ से जलने वाला चूल्हा दिखाया तो छात्रों ने उनके लिए एक छोटा चूल्हा तैयार किया। सफलता मिली तो छात्रों ने बड़ा चूल्हा बना दिया और हीरालाल ने भट्ठी की जगह इसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। एक डिब्बे में डीजल भरा और उसे एक पाइप से जोड़कर हवा पंप करने वाली मोटर से जोड़ दिया और इसके बाद पाइप को चूल्हे पर लगा दिया।हवा पंप करने वाली मोटर उन्होंने कबाड़ मार्केट से खरीदी, जिसका उपयोग वाहनों में किया जाता है। कुल 2200 रुपये में चूल्हा बनकर तैयार हो गया। हीरालाल ने बताया कि रसोई गैस पर जितना पैसा खर्च होता था, जुगाड़ से जलने वाले चूल्हे पर उसका आधा खर्च हो रहा है। उन्होंने कहा कि अब रसोई गैस की जरूरत ही नहीं है। आगे भी इसी चूल्हे का इस्तेमाल करते रहेंगे।

चेक क्लियरिंग में लापरवाही पर बैंक जिम्मेदार, आयोग ने क्षतिपूर्ति देने का दिया आदेश

प्रयागराज। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने चेक समाशोधन (क्लियरिंग) में लापरवाही पर बैंक को क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम और सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी की पीठ ने अनिल तिवारी की ओर से दायर परिवाद पर दिया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने चेक समाशोधन (क्लियरिंग) में लापरवाही पर बैंक को क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया। यह आदेश आयोग के अध्यक्ष मोहम्मद इब्राहिम और सदस्य प्रकाश चंद्र त्रिपाठी की पीठ ने अनिल तिवारी की ओर से दायर परिवाद पर दिया। नैनी के माधोपुर निवासी अधिवक्ता अनिल का आरोप था कि उनका निजी बैंक में संयुक्त बचत खाता है। 13 जुलाई 2022 को उन्होंने 10,000 रुपये का चेक जमा किया। लेकिन, कर्मचारियों ने प्राप्तकर्ता का नाम भिन्न है बताकर चेक को क्लियरिंग के लिए भेजे बिना ही लौटा दिया। जब उसी चेक को बाद में पुनः प्रस्तुत किया तो उसका भुगतान कर दिया गया। आयोग ने कहा कि बैंक की लापरवाही व अनभिज्ञता के कारण चेक समय से क्लियरिंग के लिए नहीं भेजा गया। इससे परिवादी को मानसिक व सामाजिक क्षति हुई। आयोग ने बैंक को निर्देश दिया है कि वह निर्णय की तिथि से दो माह में पांच हजार रुपये मानसिक व सामाजिक क्षति के रूप में और दो हजार रुपये वाद व्यय के रूप में याची को अदा करे।

मेट्रो के रूट में प्रयागराज एयरपोर्ट भी होगा शामिल, रिपोर्ट में किया जा रहा संशोधन

प्रयागराज। मेट्रो के रूट में अब प्रयागराज एयरपोर्ट को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही संगम पर रोपवे और मेट्रो का संयुक्त रूप से एक स्टेशन बनाने की योजना है।

प्रयागराज में मेट्रो संचालन को लेकर तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में ये दो महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।

मेट्रो के रूट में अब प्रयागराज एयरपोर्ट को भी शामिल किया जाएगा। साथ ही संगम पर रोपवे और मेट्रो का संयुक्त रूप से एक स्टेशन बनाने की योजना है। प्रयागराज में मेट्रो संचालन को लेकर तैयार की जा रही विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में ये दो महत्वपूर्ण बदलाव किए जा रहे हैं।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) अप्रैल के अंत तक रिपोर्ट शासन को भेजेगा। पहले जो प्रस्ताव तैयार किया जा रहा था, उसके अनुसार मेट्रो बमरौली को झूंसी और फाफामऊ को नैनी से जोड़ती।

इस बीच केंद्र सरकार का एक नया निर्देश आया कि जहां भी मेट्रो पर काम हो रहा है, वहां एयरपोर्ट के रूट को उसमें अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। सरकार की मंशा है कि बजट से ज्यादा यात्रियों की सुविधा पर ध्यान दिया जाए। इसलिए अतिरिक्त बजट पर यह काम किया जाएगा।इसके बाद पीडीए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में संशोधन कर रहा है। झूंसी को बमरौली से जोड़ने वाले रूट को अब प्रयागराज एयरपोर्ट तक विस्तारित किया जाएगा।

हालांकि, मेट्रो का यह नया रूट कई जगह सेना की जमीन के ऊपर से होकर निकलेगा। ऐसे में पीडीए को सेना से मंजूरी लेनी होगी। इसके लिए प्राधिकरण के अधिकारी सेना के संबंधित अफसरों से बातचीत कर रहे हैं।इसके अलावा एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव भी किया जा रहा है। पीडीए के अफसर इस प्रयास में हैं कि संगम पर मेट्रो का स्टेशन ऐसी जगह बनाया जाए, जहां रोपवे का स्टेशन भी हो, ताकि बाहर से आने वाले पर्यटकों को रोपवे तक पहुंचने में सहूलियत हो। साथ ही मेट्रो को प्रयागराज के सभी रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों से जोड़ने की योजना भी है।

युद्ध की तपिश से बिगड़ा रसोई का बजट, सरसों तेल के बाद अब दालों के भी दाम बढ़े

प्रयागराज। ईरान और इस्राइल युद्ध ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। वैश्विक तनाव का असर प्रयागराज के तेल बाजार पर पड़ा है। महज 25 दिन के भीतर रिफाइंड और सरसों तेल की कीमतों में 10 से 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। ईरान और इस्राइल युद्ध ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। वैश्विक तनाव का असर प्रयागराज के तेल बाजार पर पड़ा है। महज 25 दिन के भीतर रिफाइंड और सरसों तेल की कीमतों में 10 से 20 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हुई है। इस बीच अरहर समेत अन्य दालों के दाम बढ़ने से आम आदमी की थाली पर असर साफ दिखने लगा है।

व्यापारियों ने बताया कि बाजार में सीमित माल है, इसलिए दाम बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। बाजार में सरसों का तेल कुछ दिन पहले तक 145–150 रुपये प्रति लीटर बिक रहा था, जो अब 170–175 रुपये तक पहुंच गया है। रिफाइंड का भी दाम 150 से बढ़कर 160 रुपये हो गया है। वहीं, अरहर की दाल का दाम 110 से बढ़कर 120 रुपये प्रति किलो हो गया है। फुटकर में कुछ दुकानदार अरहर दाल 130 रुपये प्रति किलो में भी बेच रहे हैं।

फुटकर कारोबारी प्रमिल केसरवानी ने बताया कि अगर युद्ध नहीं रुका तो खाद्य तेलों के दाम में इजाफा जारी रहेगा। थोक बाजार में 15 दिन पहले 15 लीटर सरसों के तेल का दाम 2400 था, जो अब बढ़कर 2600 रुपये पहुंच गया है। इसी तरह 15 लीटर रिफाइंड का दाम 2300 से बढ़कर 2400 रुपये हो गया है। कारोबारी दीपक केसरवानी ने बताया कि वनस्पति घी और पामोलीन ऑयल के भी दाम में वृद्धि हुई है।

44 से 48 रुपये प्रति किलो में बिक रहा गेहूं का आटा

बीते कुछ दिनों के भीतर दलहन बाजार में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है। थोक से लेकर फुटकर बाजार तक दालों की कीमतें आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। उड़द दाल ने 130 रुपये प्रति किलो का आंकड़ा छू लिया है। वहीं, मूंग दाल भी अब 110 से 120 रुपये प्रति किलो में बिक रही है। फुटकर में गेहूं का आटा भी अब 44 से 48 रुपये प्रति किलो में बिक रहा है। थोक कारोबारी सतीश चंद्र केसरवानी का कहना है कि सरसों के तेल का दाम अभी और बढ़ने की उम्मीद है।

इस वजह से बढ़ रहे खाद्य तेलों के दाम

वरिष्ठ कर एवं वित्त सलाहकार डॉ. पवन जायसवाल का कहना है कि ईरान और इस्राइल संघर्ष के चलते अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों और लॉजिस्टिक्स (परिवहन) लागत में वृद्धि की आशंका है। इसी डर से स्टॉकहोल्डर्स सक्रिय हो गए हैं और बाजार में कृत्रिम कमी के साथ कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। जहाजों का रूट बदलने से खर्च बढ़ा है। रिफाइंड के लिए सोया क्रूड ब्राजील व अर्जेंटीना से और पाम ऑयल मलयेशिया व इंडोनेशिया से आता है, ये सप्लाई चेन भी प्रभावित हुई हैं।

नेपाल में भी 500 व 100 रुपये के जाली नोट खपाने की आशंका, मुख्य सरगना की मिली आखिरी लोकेशन

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र में 1.18 लाख रुपये के जाली नोट पकड़े जाने के मामले में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि मुख्य सरगना समेत अन्य आरोपी कई बार नेपाल जा चुके हैं। सरायइनायत थाना क्षेत्र में 1.18 लाख रुपये के जाली नोट पकड़े जाने के मामले में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि मुख्य सरगना समेत अन्य आरोपी कई बार नेपाल जा चुके हैं। आशंका है कि आरोपियों ने सबसे ज्यादा जाली नोट यूपी के शहरों के अलावा नेपाल में खपाए हैं।

हालांकि, कहां कितने रुपये खपाए गए इसकी जानकारी पुलिस को नहीं हो सकी है। वहीं, जांच में पता चला कि भदोही निवासी आरोपी राहुल यादव टैक्सी चलाने का काम करता था। कार बुकिंग के दौरान उसकी अन्य आरोपियों से दोस्ती हो गई थी। इसके बाद से वह भी इनके गिरोह में शामिल हो गया।

दूसरी तरफ, देवरिया के थाना गौरी बाजार निवासी गैंग के मुख्य सरगना विवेक यादव का मोबाइल नंबर बंद है।

गंगानगर जोन सर्विलांस टीम ने आरोपी के मोबाइल नंबर की डिटेल खंगाली तो उसकी आखिरी लोकेशन लखनऊ में मिली है। इस आधार पर पुलिस की एक टीम लखनऊ रवाना हो गई है।

वहीं, आरोपी के करीबियों और रिश्तेदारों से भी पूछताछ की जा रही है। आशंका यह भी जताई गई कि विवेक यादव ने अपने छिपने का ठिकाना नेपाल में भी बना रखा है।

चार से पांच बार जा चुके हैं नेपाल

पुलिस की जांच में पता चला कि मुख्य सरगना विवेक यादव चार–पांच बार नेपाल जा चुका है। इसके अलावा राहुल और उसके अन्य साथियों के भी कई बार नेपाल जाने की बात सामने आई है। पुलिस अब इन सभी का रिकॉर्ड खंगाल रही है। आशंका है कि इन आरोपियों ने सबसे ज्यादा जाली नोट 100 रुपये के खपाए हैं।

कई शहरों की पुलिस से साधा संपर्क

पुलिस को आशंका है कि आरोपियों ने देवरिया के अलावा, गाजीपुर, गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़, मऊ, कुशीनगर आदि शहरों में जाली नोटों की सप्लाई की है। ऐसे में पुलिस ने कई शहरों की पुलिस से संपर्क साधकर मामले की जानकारी दी है। पुलिस अफसरों का कहना है कि गैंग में और भी कई लोग शामिल हो सकते हैं।

सरगना पर 25 हजार का इनाम घोषित

जाली नोट मामले में फरार सरगना विवेक यादव पर पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि सरगना की गिरफ्तारी के बाद नकली नोट नेटवर्क का पूरी तरह खुलासा होगा। उस पर इनाम घोषित कर गिरफ्तारी के लिए देवरिया व आसपास जिलों की पुलिस की भी मदद ली जा रही है।

साइबर पुलिस ने ठगी के 7.14 लाख रुपये कराए वापस

साइबर थाना पुलिस ने ठगी के चार माह बाद 7.14 लाख रुपये वापस कराए हैं। तीन दिसंबर 2025 को दर्ज एफआईआर के मुताबिक, राजरूपपुर कालिंदीपुरम निवासी विजय महेंद्रा ने बताया कि 28 अगस्त से 29 सितंबर 2025 के बीच कई बार में शेयर मार्केट में ऑनलाइन निवेश और अच्छे मुनाफे का प्रलोभन देकर 18. 39 लाख रुपये जमा कराए गए। हालांकि, न तो मुनाफा मिला और न ही रुपये वापस किए गए। साइबर थाना प्रभारी ओम नारायण गौतम ने बताया कि टीम ने 7.14 लाख रुपये होल्ड करवा दिए थे, जिन्हें शिकायतकर्ता के बैंक खाते में वापस करा दिया गया है। शेष धनराशि की रिकवरी और आरोपियों की पहचान करने का प्रयास जारी है। उन्होंने अपील की है कि ठगी होने पर तत्काल 1930 या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत करें।

तीव्र गति से बाइक सवार ने दो युवकों को मारी टक्कर

प्रयागराज। ग्राम अलीवृसिंहपुर में ग्राम सराय अतन उर्फ नौगिरा निवासी उदित तिवारी (18) और आंशिक पटेल (22) वर्ष बुधवार शाम कहीं खड़े थे। तभी मऊआइमा की ओर से तेज रफ्तार बाइक सवार दोनों को रौंदकर भाग गया।

एलटी ग्रेड टीजीटी सामाजिक विज्ञान में 9,242 अभ्यर्थी मुख्य परीक्षा के लिए सफल

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक (एलटी ग्रेड टीजीटी) परीक्षा–2025 के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान विषय की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक अध्यापक प्रशिक्षित स्नातक (एलटी ग्रेड टीजीटी) परीक्षा–2025 के अंतर्गत सामाजिक विज्ञान विषय की प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम के आधार पर 9,242 अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा के लिए सफल घोषित किया गया है।

पुरुष शाखा के 561 पदों एवं महिला शाखा के 140 पदों के साथ ही दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के अंतर्गत विशिष्ट अध्यापक (संकेत/मूक–बधिर विद्यालय) और शारीरिक रूप से अक्षम विद्यालय में एक–एक पद पर चयन के लिए परीक्षा 17 जनवरी को आयोजित की गई थी। आयोग के अनुसार, सामाजिक विज्ञान विषय में पंजीकृत 2,09,572 अभ्यर्थियों में से 1,20,302 परीक्षा में शामिल हुए थे। सचिव अशोक कुमार ने बताया कि प्रदेश के बाहर की महिला अभ्यर्थियों का परिणाम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उच्च न्यायालय में दायर विशेष अपील संख्या 475/2019 में होने वाले अंतिम निर्णय के अधीन रहेगा।

कई राज्यों के विश्वविद्यालयों के नाम से देते थे फर्जी डिग्री, कई शहरों में फैला था जाल

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की फर्जी वेबसाइट तैयार कर मार्कशीट और डिग्री बेचने के मामले में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि शातिर प्रयागराज, कानपुर, गोरखपुर, आजमगढ़, लखनऊ, अलीगढ़, शिमला समेत अन्य शहरों वह राज्यों के 15 से ज्यादा विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) की फर्जी वेबसाइट तैयार कर मार्कशीट और डिग्री बेचने के मामले में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस जांच में पता चला कि शातिर प्रयागराज, कानपुर, गोरखपुर, आजमगढ़, लखनऊ, अलीगढ़, शिमला समेत अन्य शहरों वह राज्यों के 15 से ज्यादा विश्वविद्यालयों की डिग्रियों का झांसा देकर लोगों को ठगते थे। आजमगढ़ के एक बीफार्मा कॉलेज के संचालक शशि प्रकाश राय समेत पुलिस पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। जांच में पता चला कि आरोपियों ने फर्जी वेबसाइट के माध्यम से यूपी के विभिन्न शहरों के अलावा पश्चिम बंगाल व हिमाचल प्रदेश तक अपना नेटवर्क फैला लिया था। आरोपी घर बैठे बीफार्मा, डीफार्मा आदि की डिग्रियां देने का लालच देकर छात्रों और अभिभावकों को अपना शिकार बनाते थे। गिरफ्तार आरोपी शशि के पास से पुलिस ने फर्जी मार्कशीट के एक दर्जन लिफाफे कब्जे में लिए हैं। इन लिफाफों को अलग–अलग जनपदों में भेजा जाना था और इनमें से एक पर पश्चिम बंगाल का पता भी लिखा था। पुलिस अफसरों ने आशंका जताई है कि शातिरों ने सैकड़ों छात्रों और अभिभावकों को अपने जाल में फंसाया है। पुलिस अफसरों ने बताया कि आरोपियों का गिरोह यूपी के शहरों के अलावा कई राज्यों में फैला है। ये लोग फेसबुक, व्हाट्सएप समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विज्ञापन डालकर डिग्री देने का लालच देते थे। इस गिरोह में और भी कई शातिरों के शामिल होने की आशंका है।

झूंसी से विद्यावाहिनी शिफ्ट हुई रोडवेज बसें, एमजी मार्ग में लग रहा जाम

प्रयागराज। सिविल लाइंस बस अड्डे के पुनर्विकास कार्य की वजह से झूंसी शिफ्ट की गईं वाराणसी और गोरखपुर रूट की बसें भी विद्यावाहिनी से चल रही हैं। विद्यावाहिनी मैदान में स्थान सीमित होने की वजह से रोडवेज के अधिकांश चालक सड़क किनारे ही बसें खड़ी कर देते हैं। सिविल लाइंस बस अड्डे के पुनर्विकास कार्य की वजह से झूंसी शिफ्ट की गईं वाराणसी और गोरखपुर रूट की बसें भी विद्यावाहिनी से चल रही हैं। विद्यावाहिनी मैदान में स्थान सीमित होने की वजह से रोडवेज के अधिकांश चालक सड़क किनारे ही बसें खड़ी कर देते हैं। ऐसे में एमजी मार्ग पर मेडिकल कॉलेज से सीएमपी तक दिनभर वाहन रेंगते रहते हैं। वाहन चालक घंटों जाम में फंसे रहते हैं। इस जाम से मुक्ति दिलाने के लिए रोडवेज प्रशासन ने रक्षा मंत्रालय से परेड मैदान में बसें खड़ी करने के लिए अनुमति मांगी है, ताकि वहां से वाराणसी, बांदा, मिर्जापुर, गोरखपुर एवं पूर्वांचल के रूटों की बसें चलाई जा सके और विद्यावाहिनी मैदान से पहले की तरह लखनऊ, अयोध्या, दिल्ली एवं कानपुर रूट की बसों का संचालन हो। यूपी रोडवेज प्रयागराज परिक्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अगर रक्षा मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल जाता है, तो गोरखपुर, वाराणसी, बांदा और मिर्जापुर रूट की सभी बसें परेड मैदान से चलाई जाएंगी। इससे शहर के अंदरूनी हिस्सों में बसों का दबाव काफी कम हो जाएगा।

सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी ने बिस्किट का लालच देकर बच्ची से किया दुष्कर्म का प्रयास

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली आठ साल की बच्ची से बुधवार को दुष्कर्म का प्रयास किया गया। आरोप है सेना से सेवानिवृत्त आरोपी ने बच्ची को बिस्कुट का लालच देकर घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। धूमनगंज थाना क्षेत्र की रहने वाली आठ साल की बच्ची से बुधवार को दुष्कर्म का प्रयास किया गया। आरोप है सेना से सेवानिवृत्त आरोपी ने बच्ची को बिस्कुट का लालच देकर घिनौनी हरकत को अंजाम दिया। धूमनगंज पुलिस ने आरोपी प्रभु नारायण सिंह (50) के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मूलरूप से गाजीपुर के थाना गहमर का रहने वाला प्रभु नारायण धूमनगंज में किराना की दुकान चलाता है। बुधवार को क्षेत्र की एक बच्ची दुकान पर सामान लेने गई थी, लेकिन जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटी तो उसकी मां दुकान पर पहुंच गई। उन्हें दुकान का शटर बंद मिला, जिसे खटखटाने पर वह खोला गया तो बच्ची अंदर मिली। शोर–शराबे के बाद आसपास के लोग एकत्र हो गए। दुकानदार प्रभु नारायण सिंह की पिटाई के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया।

डिग्री कॉलेज के प्रबंधक को फोन पर मिली धमकी, प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। इलाके के एक डिग्री कॉलेज के प्रबंधक ने एक छात्र पर फोन पर अमर्यादित टिप्पणी और गाली देने का आरोप लगाते हुए छात्र के खिलाफ मऊआइमा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है।मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम कटरा दयाराम बागी में स्थित विद्यावती डिग्री कॉलेज के प्रबंधक अभिशान्त पांडेय का आरोप है कि एक छात्र फोन पर लगातार उनके साथ अभद्र टिप्पणी करते हुए अमर्यादित आचरण कर रहा है। आरोप है कि छात्र फोन पर गालियां देते हुए देख लेने की धमकी दे रहा है। प्रबंधक अभिशान्त पांडेय ने मऊआइमा थाना में छात्र शास्वत सिंह पता अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

संक्षिप्त

मारकंडेय यादव को सीएम ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ, संवाददाता। गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त, समाजसेवी, पिपराइच के लुहसी गांव निवासी मारकंडेय यादव के निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार सुबह लुहसी स्थित उनके पैतृक आवास पहुंचकर पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। मारकंडेय यादव का बुधवार सुबह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। उनकी गोरक्षपीठ के प्रति अगाध श्रद्धा थी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह करीब सवा दस बजे लुहसी मारकंडेय यादव के आवास पर पहुंचे। उन्होंने स्मृतिशेष के पार्थिव शरीर व चित्र पर पुष्प अर्पित किए और भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए महायोगी गुरु गोरखनाथ से प्रार्थना की। सीएम योगी ने स्वर्गीय मारकंडेय यादव के परिजनों, पत्नी गुड्डी यादव, पुत्रद्वय संजीव यादव व विशाल यादव, भाई हरेंद्र यादव, पुत्री वंदना यादव, दामाद हिमांशु यादव से आत्मीयता से बातचीत कर ढांढस बंधाया।इस अवसर पर गोरखपुर के महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल सिंह, विपिन सिंह, उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक के सभापति संतराज यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, पिपराइच नगर पंचायत के चेयरमैन संजय मद्धेशिया, वरिष्ठ नेता राधेश्याम सिंह, आनंद शाही, रणविजय सिंह मुन्ना भी मौजूद रहे।

बीकेटी हाईकोर्ट के आदेश पर मस्जिद को बुलडोजर से ढहाया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में गुरुवार तड़के 4 बजे एक मस्जिद को बुलडोजर से ढहा दिया गया। एडीएम और एसडीएम प्रशासन की टीम और 3 बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंचे। एक घंटे के अंदर मस्जिद को जमींदोज कर दिया गया। इसके बाद मलबा हटाया गया। इस दौरान पीएसी की 2 टुकड़ियों समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश पर प्रशासन ने यह कार्रवाई की। मस्जिद बक्शी का तालाब (बीकेटी) के अस्ती गांव में बनी थी। स्थानीय लोगों का दावा है कि मस्जिद 60 साल पहले बनी थी। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाई गई थी। इस मामले की शुरुआत 2024 में हुई थी। सबसे पहले तहसीलदार कोर्ट में प्रशासन ने याचिका लगाई थी। तहसीलदार कोर्ट ने 2025 में मस्जिद हटाने और 36 हजार रुपए जुर्माने का आदेश दिया था। तहसीलदार कोर्ट के आदेश के खिलाफ मस्जिद पक्ष एडीएम कोर्ट पहुंच गया। वहां से भी मामला खारिज हो गया। इसके बाद मुस्जिद पक्ष ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 6 दिन पहले यानी 26 मार्च को हाईकोर्ट ने मस्जिद को हटाने का आदेश दिया था।

विजय बहादुर पाठक के पिता का निधन,पंकज चौधरी दुखी

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक के पिताजी एवं जनसंघ काल के वरिष्ठ कार्यकर्ता राधेश्याम पाठक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राधेश्याम पाठक आजमगढ़ से जनसंघ के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके है और संगठन में विभिन्न दायित्वों पर सक्रिय रहकर पार्टी को मजबूत बनाने का काम किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देने की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की है।पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह, कान्ताकर्दम, संतोष सिंह, सलिल विश्नोई, सत्यपाल सैनी, नीलम सोनकर, कमलावती सिंह, बृजबहादुर, सुनीता दयाल, दिनेश कुमार शर्मा, मानवेन्द्र सिंह पद्म सेन चौधरी मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र सिंह, देवेश कोरी, त्रयंबक त्रिपाठी, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, अमर पाल मौर्य, अनूप गुप्ता, प्रियंका सिंह रावत, संजय राय, सुभाष यदुवंश, राम प्रताप सिंह चौहान, प्रदेश मंत्री शंकर गिरि, चन्द्रमोहन सिंह, मीना चौबे, अंजुला माहौर विजय शिवहरे शंकर लोधी शकुन्तला चौहान अनामिका चौधरी पूनम बजाज अर्चना मिश्रा अमित वाल्मीकि, बंसत त्यागी शिव भूषण सिंह सुरेश पासी अभिजात मिश्रा डीपी भारती प्रदेश कोषाध्यक्ष मनीष कपूर प्रदेश सहकोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल प्रदेश मुख्यालय प्रभारी भारत दीक्षित, प्रदेश सह मुख्यालय प्रभारी चौधरी लक्ष्मणसिंह अतुल अवस्थी प्रदेश मीडिया प्रभारी मनीष दीक्षित, प्रदेश सहमीडिया प्रभारी हिमांशु दुबे, धर्मेन्द्र राय, प्रियंक पाण्डेय अभय प्रताप सिंह, प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव डा.समीर सिंह मनीष शुक्ला हीरो बाजपेयी आलोक अवस्थी अशोक पाण्डेय जुगल किशोर अनिला सिंह, राकेश त्रिपाठी, प्रशान्त वशिष्ठ संजय चौधरी, आनन्द दुबे, साक्षी दिवाकर, आलोक वर्मा, महामेधानागर अवनीश त्यागी राज कुमार अशोक तिवारी ओम प्रकाश श्रीवास्तव तथा शिव कुमार पाठक ने प्रदेश उपाध्यक्ष विजय बहादुर पाठक के पिताजी राधेश्याम पाठक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

सोलर इंस्टॉलेशन में यूपी की बड़ी छलांग

2025-26 में रिकॉर्ड 3.47 लाख संयंत्र स्थापित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में सोलर ऊर्जा के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करते हुए रिकॉर्ड 3,47,729 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए हैं। राज्य की क्षमता 1161.756 मेगावाट तक पहुंच गई, जो प्रदेश की ग्रीन एनर्जी की दिशा में तेजी को दर्शाता है। वर्ष की शुरुआत अप्रैल 2025 में 15,836 इंस्टॉलेशन से हुए थे, जो मई और जून में बढ़कर क्रमशः 18,509 और 18,494 तक पहुंच गए। जुलाई से इस रफ्तार में बड़ी उछाल देखने को मिली, जहां 29,850 संयंत्र स्थापित हुए। क्षमता 100 मेगावाट के पार पहुंच गई। अगस्त और सितंबर में भी गति बरकरार रही, अक्टूबर में थोड़ी गिरावट के बाद नवंबर और दिसंबर में फिर तेजी आई। नवंबर में 30,894 और दिसंबर में 31,164 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए। जनवरी 2026 में 33,314, फरवरी में 35,804 और मार्च में रिकॉर्ड 52,729 संयंत्र स्थापित किए गए, जो पूरे वर्ष का सर्वाधिक आंकड़ा रहा। केवल मार्च माह में 173.84 मेगावाट क्षमता जोड़ी गई, जो किसी एक माह में अब तक की सबसे बड़ी वृद्धि है। डायरेक्टर नेडा इंद्रजीत सिंह ने बताया कि अंतिम तिमाही में आई यह तेजी सरकार की प्रभावी नीतियों, सब्सिडी योजनाओं और क्रियान्वयन का परिणाम है। इससे ऊर्जा उत्पादन बढ़ा है।

ताडेपल्लीगुडेम के रेलांगी और दुव्वा ग्रामीणों के घरों में जाकर रोगों से बचाव के उपाय बताए गए

रेलांगी/दुव्वा। विश्व होम्योपैथी सप्ताह के सफल शुभारंभ के बाद, एएसआर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (एएसआरएचएमसी) ने उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (यूएआरडीटी) के साथ मिलकर गुरुवार को रेलांगी और दुव्वा में इंटेंसिव मेडिकल कैंप और जागरूकता कार्यक्रम के साथ अपनी सामुदायिक सहायता को बढ़ाया।

ताडेपल्लीगुडेम के परियोजनात्मक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाते हुए, शिक्षक संकाय ,इंटर्न विद्यार्थियों ने टैंजिबल साइंस को सीधे ग्रामीणों के घरों तक पहुंचाया। यह पहल, पश्चिम गोदावरी जिले में 2,000 से ज़्यादा ज़रूरतमंद लोगों को साइंटिफिक स्क्रीनिंग और राहत देने के एक बड़े मिशन का हिस्सा के तहत किया गया ।

इस अनोखे जमीनी स्तर के कार्य में, विद्यार्थी दलो ने ने एक बड़ा डोर–टू–डोर अभियान चलाया, जिसमें परिवारों को पुरानी बीमारियों के लिए होम्योपैथी के असर के बारे में बताया गया। सामाजिक जागरूकता सत्र में इन चीज़ों पर फोकस किया गया। इसके तहत

जीवन शली और मधुमेह जांच की अहमियत पर ज़ोर

देते हुए, उच्च रकचाप और मोटापे से बचाव के उपाय बताए गए। इसके साथ ही हार्मोनल और स्ट्रक्चरल हेल्थरू थायरॉइड डिसऑर्डर और बोन मिनरल की कमी के बारे में जागरूक बनाया गया।

इंस्टीट्यूशनल सर्विसेजः ग्रामीणों को एएसआरएचएमसी स्पेशलिटी बाह्य रोगी क्लीनिक, 10 पेरिफेरल बाह्य रोगी विभाग में स्पेशल सर्विसेज़ और हॉस्पिटल में भर्ती होने की ज़रूरत वाले लोगों के लिए निशुल्क भर्ती होने वाले रोगियों के चिकित्सा के बारे में बताया गया। इस शिविर का मुआयना जाने–माने क्लिनिकल विशेषज्ञों और फैकल्टी के सदस्यों ने किया।

दुव्वा में मेडिकल टीम को प्रोफेसर डॉ. कदली श्रीनिवास और डॉ. बी. अरुणा कुमारी ने क्लिनिकल स्क्रीनिंग और स्टूडेंट–लेड अवेयरनेस टॉक की देखरेख की। वहीं रेलंगी में डॉ. एन. श्रीनिवास और डॉ. त्रिलोक्य ने सैकड़ों गांववालों को एक्सपर्ट सलाह दी।

उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के स्वयंसेवकों ने लॉजिस्टिक्स को ऑर्गनाइज़ करने और इन कैंपों को आसानी से चलाने में अहम भूमिका निभाई। यह मिलकर किया गया काम नेशनल कमीशन फॉर होम्योपैथी (एनसीएच) के उस आदेश के मुताबिक है जिसके तहत होम्योपैथी को एक स्टैंडर्ड, रिसर्च पर आधारित जन स्वास्थ्य दिशा में पहल में किया जाएगा।

जागरूकता सप्ताह और चिकित्सा शविर आगामी 7 अप्रैल तक चलेंगे। जिसके आखिर में 10 अप्रैल को डॉ. सैमुअल हैनीमैन की 271वीं जयंती के अवसर पर एक राष्ट्रीय सगोष्ठीऔर पुरस्कार प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

आरेडिका ने वित्तवर्ष 2025–26 में अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन का बनाया रिकॉर्ड

रायबरेली।आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में 2126 कोचों का उत्पादन कर अभी तक का सर्वाधिक कोच उत्पादन का ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। कोविड–19 के बाद आरेडिका पिछले वर्षों से लगातार कोच उत्पादन के नये आयाम स्थापित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में आरेडिका ने 2025 कोच का उत्पादन किया था। इससे आगे बढते हुए वर्ष 2025–26 में रिकॉर्ड 2126 कोच का उत्पादन कर पिछले वर्ष से 5 प्रतिषत कोच ज्यादा उत्पादित किये।

इस वर्ष के उत्पादित कोचों की मुख्य खासियत यह रही कि आरेडिका ने पहली बार ''वंदेभारत'' रेक का निर्माण पूरा कर लिया है एक रेक टेस्टिंग स्टेज में है जिसे शीघ्र ही परिचालन के लिए क्षेत्रीय रेलवे को सौंपा जाएगा। इन 2126 कोचों में विभिन्न प्रकार के कोच हैं जिसमें वंदेभारत के कोच, मेमू के कोच, दीनदयालु के कोच, स्लीपर के कोच, 3 टीयर इकोनोमिक के कोच, वातानुकूलित 3 टीयर के कोच, जनरल चेयर कार, पावर कार कोच, 2 टीयर के कोच, दिव्यांगजनो के लिए कोच, तेजस के कोच, पार्सलवैन, एसी चेयरकार तथा अन्य कोचों का निर्माण किया गया है।

इस वित्तीय वर्ष में आरेडिका

ने 2168 कोच सेट बोगी, 2205 कोच सेल असेम्बली तथा 2182 व्हील सेट का निर्माण किया जो अभी तक सर्वाधिक उत्पादन है।

'आरेडिका ने वित्त वर्ष 2025–26 में 62938 व्हीलों का रिकॉर्ड उत्पादन किया'

आत्मनिर्भर भारत के सफर में अपने उत्कृष्ट उत्पादों एवं अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अपना अहम योगदान देकर फोर्ज्ड व्हीलों के निर्माण के संकल्प को सिद्धी तक पहुँचाने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर आरेडिका एलएचवी एवं लोको व्हीलों का उत्पादन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2025–26 में आरेडिका को 50000 फोर्ज्ड व्हीलों के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया था जिसके सापेक्ष में 62938 पहियों की फोर्जिंग की गई जो वित्तीय वर्ष 2024–25 से 54 प्रतिशत अधिक है, एवं 59161 फिनिशिड पहियों (क्वालिटी जॉच में पास) का उत्पादन किया गया जो पिछले वर्ष से 77 प्रतिशत अधिक है। रेल मंत्रालय द्वारा फोर्ज्ड व्हील प्लाण्ट के अधिग्रहण के बाद पहियों के उत्पादन को लगातार बढा रहा है। आरेडिका को वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 60000 व्हीलों के उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आरेडिका के महाप्रबंधक विवेक खरे ने कहा कि यह उपलब्धि प्रधान मुख्य विभागाध्यक्षों के नेतृत्व में टीम एमसीएफ के कोच उत्पादन के प्रति समर्पण की भावना से संभव हुआ है उन्होने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और यूनियनों के प्रतिनिधियों, एवं संविदा कर्मचारियों को बधाई दी और आगे भी इसी तरह से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्री खरे ने कहा कि आने वाले वर्ष में आरेडिका रेलवे बोर्ड द्वारा दिये गये लक्ष्य को स्वीकार करने की ओर दृढसंकल्पित रहेगा और आने वर्षों में भी नये कीर्तिमान स्थापित करेगा।

आईओसीएल बंगाईगांव में हास्य कवि गोष्ठी आयोजित

बंगाईगांव । आईओसीएल बंगाईगांव में एक हास्य कवि गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें कवियों ने अपनी हास्य कविता के माध्यम से दर्शकों का मनोरंजन किया। यह आयोजन आईओसीएल, बंगाईगांव स्थित चंपा क्लब के सभागार में आयोजित की गई। इस आयोजन में इस संस्थान के अलावा रेलवे सहित कुल छह कवियों ने अपनी हास्य कविता से सभी को गुदगुदाया । इस हास्य कवि कोष्टी का उद्घाटन किया संस्थान के कार्यकारी निदेशक और रिफाइनरी प्रमुख श्री नयन कुमार बरुआ जी ने। उनके साथ संस्थान के कई अधिकारी और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम को सुनकर लाभ उठाया। अन्य अधिकारियों में श्री मिहिर सिंघल, सीजीएम टीएस एवं एचएसई, श्री सुनील कलिता सीजीएम टेक्निकल एवं श्री मुसुखा बोरो जीएम एचआर इत्यादि शामिल थे। सर्वप्रथम संस्थान के सहायक प्रबंधक श्री शरद कुमार ने यहां पधारे सभी कवियों, अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए स्वागत किया । इसके बाद सभी कवियों को बारी–बारी से बुलाकर विभिन्न प्रकार के क्षेत्रीय गमछा, मोमेंटो, पुस्तक और फूल का पौधा देकर सम्मानित किया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में श्री नयन कुमार बरुआ ने कवियों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया । इसके बाद कवि सम्मेलन का कार्यक्रम शुरू हुई। कार्यक्रम का संचालन यहां के सुप्रसिद्ध कवि श्री विनय कुमार श्बुद्धश ने किया। शामिल अन्य कवियों में श्री दीपक शाह यंत्र अभियंता, डॉ प्रवीण कुमार मुख्य उत्पाद नियंत्रण प्रबंधक, श्रीमती अनामिका सैकिया मानव संसाधन विभागाध्यक्ष, श्री प्रफुल्ल कुमार गुप्ता रेलवे कर्मचारी और श्री अमोद कुमार रेलवे कर्मचारी शामिल थे।

श्री विनय कुमार बुद्ध ने जोगीरा के माध्यम से वर्तमान स्थिति और नेताओं पर चुटकी ली तो वही श्री प्रफुल्ल कुमार गुप्ता ने अपने कविता के माध्यम से नेताओं को लपेटा और लोगों को काफी गुदगुदाया दीपक शाह ने अपने चुटीले अंदाज में कई व्यंग्य कविता पेश की, तो वही प्रवीण कुमार ने भी अपने शांत लेकिन मजाकिया अंदाज में व्यंग्य रचना पेश कर सभी की वाहवाही बटोरी। अनीता सैकिया ने एक गीत के माध्यम से सभी का मनोरंजन किया तो अमोद कुमार ने नेताओं पर व्यंग कर सभी का मनोरंजन किया। अंत में विनय कुमार श्बुद्धश ने घरवाली की आरती प्रस्तुत करते हुए मजाकिया लहजे में सभी को सुझाव दिया कि घर में शांति के लिए आप भी घरवाली जी की आरती पढ़िए। इस तरह एक शानदार हास्य कवि सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

अखिलेश यादव का आरोप, भाजपा से मिला है निर्वाचन आयोग, कार्यकर्ताओं से की सतर्क रहने की अपील

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को भाजपा पर निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर विभिन्न राज्यों में चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में पीडीए सरकार स्थापित करने के लिए ऐसी साजिशों का मुकाबला करने की तैयारी कर रही है। पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद यहां प्रेसवार्ता में यादव ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) मुद्दे को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, 2024 में इन सभी साथियों ने मिलकर पीडीए की आवाज उठाई थी और जन सहयोग से सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ाया था। अखिलेश यादव ने कहा, हम दृढ़ संकल्पित हैं कि आने वाले समय में हम मिलकर पीडीए सरकार बनाएंगे और राज्य स्तर पर सामाजिक न्याय स्थापित करेंगे।

नाम की माला टेरे

(छप्पय)

क्षणिक सुखों की बात निरंतर माया करती।
मृगतृष्णा का चित्र हमेशा खींचा करती।
मोहग्रस्त इन्सान सत्य से मुँह को फेरे।
हरि से होकर दूर नाम की माला टेरे।
अद्भुत सारा दृश्य है चर्चा मोह–विकास की।
बलवन्ती होती जहाँ परछाईं बस चाह की।।

सच्चाई से दूर समाहित हो ईष्या में।
मन की भोली प्यास भटकती मृगतृष्णा में।
माया ममता मोह विरह का कारण बनके।
घोट रहे हैं गला सभी को अपना कहके।
चाहत की दुनिया सदा नाता दुख से जोड़कर।
सुख की करती कल्पना हरि से नाता तोड़कर।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पंकज झा बने भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के जिलाध्यक्ष

प्रयागराज। वरिष्ठ पत्रकार पंकज झा को भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ प्रयागराज की वाराणसी इकाई का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। मनोनयन की सूचना जारी करते हुए महासंघ ने उनसे संगठन को सशक्त बनाने और जिला स्तर पर सक्रिय संरचना विकसित करने की अपेक्षा जताई है।

भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के संस्थापक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, नवमनोनीत जिलाध्यक्ष को एक माह के भीतर वाराणसी जिला इकाई का पूर्ण गठन कर उसकी सूची महासंघ कार्यालय प्रयागराज को प्रेषित करनी होगी। साथ ही दो माह के भीतर जिला इकाई का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। महासंघ के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी रवीन्द्र कुशवाहा ने विश्वास व्यक्त किया है कि पंकज झा संगठन के संविधान और नियमों के अनुरूप निष्ठा व समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे तथा पत्रकारों के हितों की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे । गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में पत्रकार संगठनों की सक्रियता लगातार बढ़ रही है और ऐसे में यह नियुक्ति संगठनात्मक विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। महासंघ ने उनके उज्ज्वल एवं सफल कार्यकाल की कामना की है।

वेतन के लिए वी विन लिमिटेड कंपनी के कर्मचारियों का प्रदर्शन, पुलिस ने रोका

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में वी विन लिमिटेड कंपनी के 200 से ज्यादा कर्मचारियों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया। वे गोमतीनगर स्थित ऑफिस साइबर टावर से निकलकर लोहिया पथ पर नारेबाजी करते हुए बढ़ने लगे। इस दौरान कई कर्मचारी रो रहे थे। करीब 4.5 किलोमीटर पैदल चलने के बाद उन्हें पुलिस समतामूलक चौक के पास रोक लिया। कर्मचारियों का कहना था कि 15 हजार रुपए की सैलरी का वादा करके 7000–8000 रुपए दिए जा रहे हैं। दो महीने की सैलरी भी रोककर दी जा रही है। कंपनी के ऑफिस में काम के लिए जाते वक्त बाहर ही सबके फोन जब्त कर लिए जाते हैं। घर में कोई भी इमरजेंसी आ जाए, हम लोग जब काम करके लौटेंगे तभी जान पाएंगे। करीब 1 घंटे की बातचीत के बाद पुलिस और कंपनी के अधिकारियों ने सीएम हेल्पलाइन के कर्मचारियों को मना लिया। 5 कर्मचारियों को मुख्यमंत्री से मिलाने ले जाया जा रहा है। वहीं, अन्य सभी कर्मचारियों को उनके कार्यस्थल सीएम हेल्पलाइन के कार्यालय गोमतीनगर के साइबर टॉवर भेज दिया गया है।

पीएम मोदी पर आपत्तिजनक पोस्ट, युवक ने सांसदों–विधायकों को भी दी गाली

लखनऊ, संवाददाता। गोमतीनगर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक युवक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करता था, साथ ही सांसदों और विधायकों के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणियां करता था। इस संबंध में शिकायतकर्ता शिशिर चतुर्वेदी ने थाने में तहरीर दी है। आरोप लगाया कि क्षेत्र निवासी नितिन विश्वकर्मा इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारत और भारतीय संस्कृति के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट करता है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि आरोपी महिलाओं के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग करता है और अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर करता है। इसके अलावा, उस पर देश के प्रधानमंत्री के प्रति भी अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी की पोस्ट और भाषा से उनकी धार्मिक व सामाजिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि आरोपी किसी संगठन से जुड़ा हो सकता है, जिसकी जांच कराए जाने की मांग की गई है। गोमतीनगर थाना पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले को संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी है।

ज्वेलर के 3 मंजिला मकान में लगी आग,मासूम समेत 5 लोग तेज लपटों में घिरे, सेकंड फ्लोर से कूदी युवती

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में ज्वेलर के 3 मंजिला मकान में आग लग गई। घर में परिवार के 6 लोग सो रहे थे। जैसे ही आग किचन से कमरों की ओर फैली, घर के लोग जाग गए। इस दौरान 22 साल लड़की दूसरी मंजिल से कूद गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने एक मासूम बच्ची सहित परिवार के 5 लोगों को सीढ़ियों से उतारा। इस दौरान मकान धू–धूकर जलता रहा। दुर्घटना गुरुवार तड़के करीब 3रू30 बजे सरोजनीनगर में दरोगा खेड़ा स्थित पार्थ रिपब्लिक अपार्टमेंट के पास हुई। यहां ज्वेलर अजय रस्तोगी (49) अपने परिवार के साथ मकान की दूसरी मंजिल पर सो रहे थे। परिवार में उनकी पत्नी अनीता वर्मा (47), बेटा विनायक (16), विवाहित बेटी शीतल वर्मा (30), छह वर्षीय पोती विरानिका और घर में काम करने वाली तन्नू (22) हैं। ज्वेलर अजय रस्तोगी ने बताया कि मकान की तीसरी मंजिल पर किचन है। वहीं, शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। हमें तो पता भी नहीं चला। पड़ोसियों ने शोर मचाया तब हम लोगों की नींद खुली। मैंने सीसीटीवी से देखा तो सच में तीसरी मंजिल में आग लगी हुई थी। बेटी तन्नू आग देखते ही दूसरी मंजिल से कूद गई।

सम्पादकीय.....

जहरीले वैवाहिक रिश्ते, आखिर क्या है हल?

आजकल पति–पत्नी के रिश्ते में तनाव वैवाहिक जिंदगी को जहरीला बना रहा है यह भारतीय परिवारों के टूटने का एक बड़ा कारण बन गया है। ऐसा क्यों हो रहा है? आधुनिक समय में पुरुषों और महिलाओं की भूमिकाएं बदल रही हैं। अतीत में परंपरागत रूप से पति को परिवार का आर्थिक सहारा और पत्नी को घर का प्रबंधन करने की जिम्मेदारी दी जाती थी। आज, दोनों पक्ष समान रूप से काम और परिवार की जिम्मेदारियों को सांझा करते हैं, जिससे अपेक्षाओं में असंतुलन पैदा हो सकता है। पति–पत्नी के बीच संवाद की कमी एक बड़ा कारण है। यदि दोनों पक्ष अपनी भावनाओं, चिंताओं और अपेक्षाओं को खुलकर नहीं बताते, तो गलतफहमियां बढ़ती हैं। इससे रिश्ते में दूरी बढ़ सकती है और तनाव पैदा हो सकता है। वैवाहिक रिश्तों की नींव विश्वास पर टिकी होती है। यदि दोनों में से किसी एक या दोनों को एक–दूसरे के प्रति शक या अविश्वास महसूस होने लगे, तो यह रिश्ते को खतरनाक बना सकता है। ऐसे मामलों में घर, जो एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए, वही तनावपूर्ण और घातक बन जाता है। जब दोनों पक्ष अपनी जिम्मेदारियों को सांझा नहीं करते या एक–दूसरे के प्रति अन्यायपूर्ण व्यवहार करते हैं, तो यह रिश्ते में झगड़ों का कारण बन सकता है। उदाहरण के लिए, यदि पति परिवार के लिए पैसा कमाने में व्यस्त रहता है और पत्नी को घर का सारा काम संभालना पड़ता है, तो यह असंतोष का कारण बन सकता है। जब पति या पत्नी में से कोई भी हर स्थिति में 'सही' होने का वहम रखता है, तो यह रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकता है। एक स्वस्थ रिश्ते में दोनों पक्ष एक–दूसरे की गलतियों को स्वीकार करने और सुधार करने के लिए तैयार होते हैं लेकिन जब कोई भी खुद को हमेशा सही मानने लगे, तो यह रिश्ते को खतरनाक बना देता है। आज की तेजी से बदलती जीवनशैली और काम के दबाव के कारण पति–पत्नी के बीच समय बिताने का अवसर कम होता जा रहा है। इससे दोनों पक्षों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ सकती है, जो रिश्ते को कमजोर कर सकती है। कई बार, पति–पत्नी के बीच रिश्ते परिवार या समाज के दबाव के कारण तनावपूर्ण हो जाते हैं। जैसे, सास–बहू के बीच झगड़े, बच्चों की पढ़ाई या शादी जैसे मुद्दे भी रिश्ते को प्रभावित कर सकते हैं। वर्तमान में घरेलू हिंसा के मामले भी बढ़ रहे हैं। यह न केवल पति–पत्नी के रिश्ते को खतरनाक बनाता है, बल्कि जानलेवा भी हो सकता है। आंकड़ों के अनुसार, हर 11वें मिनट में एक महिला का कत्ल हो जाता है, जो इस बात का सबूत है कि घरेलू रिश्ते कितने खतरनाक हो सकते हैं। शादीशुदा जिंदगी में तकरार और गलतफहमियां आम बात हैं, लेकिन जब बात बार–बार तानों और आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाली बातों तक पहुंच जाए, तो स्थिति गंभीर हो जाती है। एक व्यक्ति ने सवाल किया कि उसकी पत्नी अक्सर कहती है कि वह किसी लायक नहीं है और उससे शादी करके उनकी जिंदगी बर्बाद हो गई। ऐसे में वह क्या करे, ताकि रिश्ता बेहतर हो सके? जहरीले वैवाहिक रिश्ते सुधारने का आखिर क्या हल है? मनोविज्ञान के मुताबिक, किसी भी रिश्ते की नींव खुली और ईमानदार बातचीत होती है। पति को चाहिए कि वह शांति से पत्नी से बात करे और यह समझने की कोशिश करे कि उसकी नाराजगी की असली वजह क्या है। बिना टोके और बिना जज किए बात सुनना रिश्ते में भरोसा बनाने की पहली शर्त है। रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए आत्ममंथन जरूरी है। कम्युनिकेशन स्किल, संवेदनशीलता और समझदारी पर काम करना आपको एक बेहतर जीवनसाथी बना सकता है। छोटे बदलाव भी रिश्ते में बड़ा फर्क ला सकते हैं। रिश्ते में अपनापन बनाए रखने के लिए छोटे–छोटे कदम बहुत मायने रखते हैं। प्यार भरे शब्द, सहयोग और सम्मान जताने से सामने वाले को यह महसूस होता है कि वह रिश्ते में अहम है। साथ ही, धैर्य रखना भी जरूरी है क्योंकि बदलाव वक्त लेता है। पति–पत्नी दोनों यह सोचें कि क्या रिश्ते में भरोसे, सम्मान या आपसी तालमेल से जुड़ी कोई गहरी समस्या है? जब तक असली वजह सामने नहीं आएगी, समाधान मुश्किल रहेगा। अगर हालात लगातार बिगड़ रहे हैं और तनाव बढ़ता जा रहा है, तो कपल काऊंसलिंग से हिचकना नहीं चाहिए। शादी को बेहतर बनाना दोनों की जिम्मेदारी होती है। जब दोनों साथी बदलाव के लिए तैयार होते हैं, तभी रिश्ता मजबूत बनता है। समय पर मदद लेना कमजोरी नहीं, बल्कि समझदारी का संकेत है। याद रखें, शादी को बेहतर बनाना दोनों की सांझी जिम्मेदारी होती है। जब दोनों साथी बदलाव के लिए तैयार हों, तभी रिश्ते में सच्चा सुधार आता है। वैवाहिक रिश्ते आजकल कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इसलिए, दोनों पक्षों के लिए यह जरूरी है कि वे एक–दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें, संवाद करें और समस्याओं का सामना करने के लिए एक साथ काम करें।

पश्चिम एशिया में युद्ध के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए बेहतर नीतियों की जरूरत

डॉ. ज्ञान पाठक

वित्त वर्ष 2026–27 की ठीक शुरुआत में, जो 1 अप्रैल, 2026 से शुरू हो रहा है, भारत को कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ रहा है। इसकी वजह यह है कि भारत एक बड़ा ऊर्जा आयातक देश है और पश्चिम एशिया क्षेत्र के साथ उसके मजबूत व्यापार, निवेश और रेमिटेंस (विदेशों से आने वाले पैसे) के संबंध हैं। पश्चिम एशिया क्षेत्र फरवरी 2026 में अमेरिका और इजरायल द्वारा शुरू किए गए युद्ध के बाद से एक युद्ध क्षेत्र में बदल गया है। भारत का 2026–27 का बजट संसद में बहुत पहले, 1 फरवरी को ही पेश कर दिया गया था, जो अब बेमानी हो गया है। अब बदलती स्थिति को देखते हुए, भारत के लोगों को बचाने के लिए सोच–समझकर बनाई गई नीतियों की जरूरत है। एक अनुमान के अनुसार, मार्च की शुरुआत में रुपये के गिरकर 93 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच जाने से, 2022 की शुरुआत की तुलना में देश की 18.7 प्रतिशत आबादी पहले ही गरीबी में धकेली जा चुकी है, और यह गिरावट अभी भी जारी है। 30 मार्च को, यह 94.78 रुपये प्रति डॉलर था। मार्च 2026 की आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि आर्थिक परिदृश्य और भी ज्यादा अनिश्चित हो गया है, जिससे ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स के मुख्य चौनल बाधित हुए हैं और वैश्विक आपूर्ति की स्थिति और भी कड़ी हो गई है। मार्च 2026 की समीक्षा में फरवरी तक के कई आंकड़ों को आधार बनाया गया है, और इसलिए समीक्षा में खुद यह माना गया है कि यह संघर्ष के लगातार बदलते असर को पूरी तरह से शायद न दिखा पाए। हालांकि, मार्च के हालिया आंकड़े यह दिखाते हैं कि हाल के झटकों का असर बढ़ती इनपुट लागत, आपूर्ति में रुकावटों और सभी क्षेत्रों में बढ़ते दबाव के रूप में सामने आ रहा है। महंगाई के मोर्चे पर, फरवरी 2026 में खुदरा महंगाई बढ़कर 3.21 प्रतिशत के 10 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, जिसकी मुख्य वजह खाने–पीने की चीजों की कीमतों में आई तेज उछाल थी। आगे चलकर महंगाई बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। व्यापार नीति को लेकर अनिश्चितता एक आम बात बन गई है। इस बदलाव के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें टैरिफ और अन्य पाबंदियां, साथ ही भू–राजनीतिक उथल–पुथल के कारण आपूर्ति श्रृंखला में आने वाली चुनौतियां शामिल हैं। चालू खाता घाटा पहले से ही बढ़ रहा है। शुद्ध एफडीआई का स्तर कम ही बना रहा और लगातार पांच महीनों तक ऋणात्मक रहा। मार्च 2026 में पोर्टफोलियो प्रवाह नकारात्मक बना रहा। जनवरी 2026 तक वैश्विक भूराजनीतिक जोखिम सूचकांक पहले ही एक नए उच्च स्तर पर पहुंच चुका था, और पश्चिम एशिया के संघर्ष ने स्थिति को और खराब कर दिया है। औसत कमोडिटी की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है। समीक्षा में कहा गया है कि मूल समस्या एक साथ पड़ने वाला दोहरा दबाव है – न तो कच्चा तेल आ रहा है, और न ही तैयार उत्पाद बाहर जा पा रहे हैं। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कटौती करनी पड़ेगी, क्योंकि भंडारण (बंकरिंग) सुविधाएं पूरी तरह भर चुकी हैं और टैंकरों के फंसे होने के कारण उन्हें खाली नहीं किया जा सका है। तैयार उत्पादों के भंडारण की क्षमता आमतौर पर एक महीने की आवश्यकता से अधिक नहीं होती है। इसलिए, यदि रिफाइनरियों को बंद कर दिया जाता है, तो संघर्ष समाप्त होने के बाद भी सामान्य तेल उत्पादन फिर से शुरू करने में काफी समय लगेगा। कुल मिलाकर, इन क्रमिक प्रभावों से वैश्विक आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ने और मुद्रास्फीति के दबाव के और बढ़ने की उम्मीद है, जिससे आर्थिक विकास के जोखिम नीचे की ओर झुकते दिख रहे हैं। एलपीजी के लिए सीमित विकल्प उपलब्ध हैं, क्योंकि भारत अपनी 93 प्रतिशत एलपीजी संघर्ष–प्रभावित क्षेत्र से ही आयात करता है, और इसकी रिफाइनरियों से इसका उत्पादन भी काफी कम है, जो कुल उपलब्धता का मात्र 4–6 प्रतिशत ही है। कमी और कीमतों में बढ़ोतरी के कारण इसका असर फर्टिलाइजर (गैस–आधारित यूरिया, पेट्रोकेमिकल्स और गैस–आधारित बिजली उत्पादन) पर पड़ रहा है। भारत की खेती पर इसका असर पड़ेगा क्योंकि 80 प्रतिशत से ज्यादा अमोनिया और सल्फर का आयात खाड़ी देशों से होता है, जबकि लगभग 40 प्रतिशत डीएपी का आयात सऊदी अरब से किया जाता है। अगर यह स्थिति नहीं सुधरती है, तो रबी की फसल के लिए जोखिम बना रहेगा, जबकि खरीफ की फसलों के दौरान अधिक दिक्कत नहीं होगी। फिर भी लागत बढ़ने का जोखिम रहेगा। इनपुट लागत में बढ़ोतरी और लॉजिस्टिक्स से जुड़ी रुकावटों का असर देश के खेती–बाड़ी के कामों पर पड़ेगा। कई क्षेत्रों में, खासकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों और कांच या सेरामिक जैसे लगातार चलने वाले उद्योगों में, ईंधन या इनपुट बदलने में असमर्थता के कारण उत्पादन में कटौती और अस्थायी तौर पर काम बंद करना पड़ा है। शिपिंग में रुकावटें, रास्ते बदलना और युद्ध के जोखिम वाले प्रीमियम के कारण माल ढुलाई और बीमा की लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। परिवहन में देरी के कारण डिलीवरी का समय बढ़ गया है, जिससे जरूरी इनपुट के आयात और निर्यात की प्रतिबद्धताओं, दोनों पर असर पड़ा है। हवाई क्षेत्र पर लगी पाबंदियों ने कीमती और समय के लिहाज से संवेदनशील माल की ढुलाई की चुनौतियों को और भी बढ़ा दिया है। विदेश से आने वाले पैसे (रेमिटेंस) पर भी इसका काफी असर पड़ेगा। और राजकोषीय मोर्चे पर, ज्यादा सब्सिडी की जरूरत (फर्टिलाइजर और ईंधन के लिए) और संभावित राजस्व की कमी के कारण राजकोषीय घाटा बढ़ सकता है। अकेले मार्च महीने में ही, पोर्टफोलियो निवेश के मोर्चे पर लगभग 12.5 अरब अमेरिकी डॉलर का बहिर्प्रवाह हुआ है। 22 मार्च तक, ई–वे बिल जारी होने की संख्या में पिछले महीने के मुकाबले 5.3 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो माल की आवाजाही में कुछ नरमी का संकेत देता है। मार्च 2026 के लिए फ्लैश पीएमआई के अनुमानों से पता चलता है कि ऊर्जा की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद उत्पादन में वृद्धि की गति धीमी हुई है। समीक्षा में यह कहा गया है कि सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदम, मौजूदा व्यापक आर्थिक सुरक्षा उपायों के साथ मिलकर, कुछ हद तक सहारा प्रदान करते हैं, लेकिन यह भी स्वीकार किया गया कि जोखिमों का पलड़ा अभी भी नकारात्मक पक्ष की ओर झुका हुआ है। इस संदर्भ में, उभरती वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभाव को कम करने के लिए निरंतर सतर्कता और सक्रिय नीतिगत उपाय महत्वपूर्ण होंगे।

युद्ध को लेकर मोदी का देश को डराने वाला संदेश

अनिल जैन

देश में जहां भी और जब भी चुनाव होते हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दूसरे सारे काम छोड़कर अपनी भारतीय जनता पार्टी के चुनाव प्रचार में जुट जाते हैं और इस सिलसिले में वे धार्मिक पर्यटन भी करना नहीं भूलते। उस दौरान वे आम तौर पर विदेश यात्राओं पर भी नहीं जाते हैं और यहां तक कि संसद का सत्र चल रहा होता है तो वे वहां महत्वपूर्ण चर्चाओं के दौरान भी उपस्थित नहीं रहते। इस बार भी पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान वे चुनावी रैलियों में व्यस्त हैं। हालांकि युद्ध शुरू होने के 23 दिन बाद उन्होंने युद्ध को लेकर अपनी खामोशी तोड़ी और चुनावी रैलियों में से कुछ समय चुराकर अपनी सुरक्षा की परवाह किए बगैर 23 मार्च को संसद में नमूदार हुए। प्रधानमंत्री ने युद्ध को लेकर लोकसभा में करीब 35 मिनट का लिखित भाषण दिया। उनका यह भाषण ऐतिहासिक रहा। वह इस मायने में कि प्रधानमंत्री के रूप में उनका संसद में यह पहला लिखित भाषण था। ऐतिहासिक इसलिए भी कि यह पहला मौका रहा जब उन्होंने अपने पूरे भाषण में कांग्रेस या जवाहरलाल नेहरू की कर्कश आलोचना करना तो दूर, उनका नाम तक नहीं लिया। उनका भाषण सराहनीय भी रहा, क्योंकि ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के परिणामस्वरूप शुरू हुए युद्ध के 23 दिन बाद ही सही, उन्होंने स्वीकार किया कि इस युद्ध की वजह से भारत के सामने भी चुनौती आ खड़ी हुई है, जिसका हमें एकजुट होकर मुकाबला करना है। मोदी का यह संसदीय संबोधन एक तरह से राष्ट्र के नाम संदेश भी था और साथ ही विपक्षी दलों के नाम, देश की नौकरशाही के नाम व युद्ध के समय जमाखोरी करने वालों के नाम भी संदेश था। अपने इस संबोधन में उन्होंने अपनी सरकार की विदेश नीति की भी खूब सराहना की। वैसे प्रधानमंत्री का यह संबोधन जितना सराहनीय और ऐतिहासिक रहा, उससे कहीं ज्यादा डरावना भी रहा क्योंकि उन्होंने कहा कि श्जैसे हमने कोरोना महामारी की चुनौती का मुकाबला किया था, वैसे ही इस चुनौती का भी मुकाबला करेंगे।य सब जानते हैं कि कोरोना की चुनौती का मुकाबला मोदी सरकार ने किस तरह किया था! गौरतलब है कि अपने इस भाषण से पहले तो पीएम मान ही नहीं रहे थे कि युद्ध की वजह से भारत में भी रसोई गैस और पेट्रोल का संकट खड़ा हो गया है। देश की अर्थव्यवस्था पर भी वे किसी तरह का संकट होने से इनकार कर रहे थे, बावजूद इसके कि देश–दुनिया के तमाम अर्थशास्त्री और विशेषज्ञ इस बारे में आगाह कर रहे थे। चूंकि प्रधानमंत्री नहीं मान रहे थे, लिहाजा उनकी सरकार, उनकी पार्टी और उसके प्रचार तंत्र का हिस्सा बन चुका मीडिया भी नहीं मान रहा था कि कोई संकट है। हालांकि युद्ध शुरू होने के एक सप्ताह बाद ही देश के विभिन्न हिस्सों में रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर के लिए गैस एजेंसियों के दफ्तरों और गोदामों पर लोगों की लाइनें लगनी शुरू हो गई थीं। लाइनों में खड़े लोगों के मार–पीट और धक्का–मुक्की करने, बीमार होने और मरने की खबरें आने लगी थीं। होटल, रेस्तरां और धार्मिक स्थलों पर चलने वाली निरूशुल्क भोजनशालाएं भी एलपीजी सिलेंडर के अभाव में बंद होने की खबरें आ रही थीं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम की चुनावी रैलियों में लगातार इस संकट को नकारते हुए कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों पर अफवाह फैलाने और लोगों को डराने का आरोप लगा रहे थे। ऐसा करते हुए वे देश की मौजूदा समस्याओं के लिए नेहरू को जिम्मेदार ठहराना भी नहीं भूल रहे थे। यही काम टीवी चौनलों की डिबेट में उनकी पार्टी के वाचाल प्रवक्ता भी कर रहे थे और टीवी चौनलों के एंकर व सत्ता की दलाली करने वाले पत्रकार उनके सुर में सुर मिला रहे थे। छह साल पहले कोरोना महामारी के वक्त भी प्रधानमंत्री ने ऐसा ही किया था। उस समय भी जब केरल में कोरोना का पहला मामला सामने आया था तब राहुल गांधी तथा कई विशेषज्ञ सरकार को ऐहतियात बरतने के लिए आगाह कर रहे थे, परन्तु सरकार के तमाम मंत्री और टीवी चौनलों के उजड्ड एंकर राहुल गांधी का मजाक उड़ाते हुए उन पर लोगों को डराने का आरोप लगा रहे थे। उस समय तक दुनिया के तमाम देशों ने अपने यहां भीड़ भरे कार्यक्रमों पर रोक लगा दी थी।

सीमा वर्णिका की कलम से (छोटी कहानी)

'दूधो नहाओ पूतो फलो'

दूधो नहाओ पूतो फलो इस आशीर्वाद से राधा के तन बदन में आग लग जाती। विमल से उसकी शादी हुई दो वर्ष बीत चुके थे। आज जिंदगी के जिस मोड़ पर वह खड़ी थी वह समझ नहीं पाती कि किसको जिम्मेदार ठहराए अपने भाग्य को या माता–पिता की विवशता को। कोरोना काल की विसंगतियों का शिकार उसका परिवार भी हुआ था। प्राइवेट कंपनी में उसके पिताजी नौकरी करते थे। आपदा की मार से त्रस्त कंपनी घाटा झेल नहीं पाई बंद हो गयी। उसके पिता जी बेरोजगार हो गए। तीन बेटियों व एक बेटे का खर्चा माता–पिता कैसे झेल पाते कहीं कोई नौकरी भी नहीं मिल रही थी। पिताजी ने घर के बाहर एक छोटी सी परचून की दुकान खोल ली थी बस किसी तरह गुजर बसर हो रही थी। बेटियों की उम्र बढ़ रही थी माता–पिता जी चिंता में उम्र से पहले बूढ़े हो चुके थे।

एक दिन शकुंतला चाची एक रिश्ता लेकर आई।

पिताजी को बता रही थी उनका अपना मकान खेत दुकान गाड़ी सब कुछ है संपन्न परिवार का इकलौता लड़का है जोर दे रही थी ऐसा रिश्ता फिर नहीं मिलेगा कोई माँग जाँच भी नहीं है राधा बिटिया की शादी कर दो। अंधे को चाहिए क्या आँखें दो।

चट मंगनी पट ब्याह कर राधा ससुराल आ गई। विमल शांत रहते लगता नया रिश्ता है या स्वभाव ऐसा ही होगा। कई दिन रस्मो रिवाज मन्नतों पूजा पाठ आदि में निकल गए। धीरे–धीरे राज खुलने लगे थे भीड़भाड़ छट गई थी। पग फेरे की रस्म भी अफरा तफरी में करा दी गई। विमल नहीं गए थे रिश्ते के देवर विदा कर लाए थे। माता–पिता जी से वह क्या कहती सब ठीक है यह कहकर उसने उनको आश्वस्त कर दिया था।

राधा के पैरों तले जमीन खिसक चुकी थी जब उसे पता चला कि उसका पति मंदबुद्धि है चुप्पी के पीछे उसकी गंभीरता नहीं बल्कि जन्मजात कमजोरी है।

ससुराल वाले वारिस की बाट जोहने लगे थे। राधा का मन नहीं मानता कि वह मूर्खों की कतार खड़ी करे कुछ भी हो अनुवांशिकता का असर तो पड़ता ही है। इसी ऊहापोह में वह परेशान रहने लगी थी।

सामने सामने दैनिक समाचार पत्र पड़ा देख वह उसके पन्ने पलटने लगी उसकी निगाह एक विज्ञापन पर ठहर गई एक नए अस्पताल का उद्घाटन हुआ था उसके दिमाग में एक विचार कौंधा। सासू माँ बहुत दिनों से कह रही थीं डॉक्टर को दिखा लो काहे बच्चा नहीं हो रहा। बस वह डॉक्टर को दिखाने के बहाने से अस्पताल जा पहुँची।

'डॉ साहिब मुझे विट्रो फर्टिलाइजेशन कराना है। सुना है आपके यहां यह सुविधा उपलब्ध है,' राधा ने डॉक्टर को सारी बात बताई। डॉक्टर ने स्पर्म बैंक की सलाह दी कुछ आवश्यक प्रक्रियाओं से गुजर कर कुछ दिनों बाद राधा को गर्भवती होने की सूचना की पुष्टि हो गई थी। आज राधा आश्वस्त थी । उसने सासू माँ के पैर छुए उनका 'दूधो नहाओ पूतो फलो' का आशीर्वाद आज उसे खल नहीं रहा था।

देश यूं ही नहीं हुआ नक्सलवाद से मुक्त

अवधेश कुमार

गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में घोषणा की कि लाल आतंक की परछाई हट गई है। यह ऐसी घोषणा है जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। जब गृह मंत्री ने पिछले वर्ष घोषित किया था कि 31 मार्च, 2026 तक देश नक्सली आतंक से मुक्त हो जाएगा तो एक्टिविस्टों, पत्रकारों, नेताओं, एन.जी.ओ. चलाने वालों, बुद्धिजीवियों आदि की बड़ी फौज ने अलग–अलग तरीकों से उनका निशाना बनाना, उपहास उड़ाना और प्रच्छन्न तरीके से विरोध आरंभ कर दिया था। गृह मंत्री ने घोषणा की कि 2024 तक नक्सलियों की शीर्ष केंद्रीय कमेटी और पुलिस ब्यूरो में 21 मुख्य कैडर थे जो पूरे नैटवर्क को चलाते थे। इनमें से एक पकड़ा गया, 7 ने आत्मसमर्पण किया और 12 मारे गए तथा एक फरार है। उसके साथ भी आत्मसमर्पण के लिए बातचीत चल रही है। वस्तुतरू वह मिसिर बेसरा है जो झारखंड के सारंडा जंगलों में अपने 50 साथियों के साथ छिपा है। वह आत्मसमर्पण करता है या मारा जाता है, तो हथियारों के बल पर संघर्ष करने वालों की सूची समाप्त हो जाएगी। जरा सोचिए, 2014 में जो नक्सल प्रभावित जिले 126 थे, वे अब घटकर मात्र 2 रह गए हैं। वे भी केवल नाम मात्र के। रैड कॉरिडोर या लाल गलियारा के नाम से पहचाने जाने वाले पूरे क्षेत्र में 12 राज्य और 70 प्रतिशत भूभाग शामिल था। आप यू.पी.ए. शासनकाल को याद करिए, जब भी आंतरिक सुरक्षा का सम्मेलन होता था, राज्यों के पुलिस प्रमुखों, गृह सचिवों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के भाषण में यह पंक्ति रहती ही थी कि आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा माओवाद है। पिछले लगभग 12 वर्ष की नक्सलवाद या माओवाद विरुद्ध मोदी सरकार की नीति का मूल्यांकन करेंगे तो एक निष्कर्ष यह आएगा कि राजनीतिक नेतृत्व के अंदर समस्याओं को लेकर संवेदनशीलता व सही समझ हो, उसके अंत करने के उपाय के प्रति दृष्टि साफ और संकल्पबद्धता हो तो परिणाम ऐसा आ सकता है। इस सुखद स्थिति के पीछे कई स्तरीय रणनीति थी। सख्त सुरक्षा कार्रवाई, माओवादियों से संपर्क कर उन्हें आत्मसमर्पण और सामान्य जीवन में आने के लिए प्रेरित करने का सतत अभियान, उनका आर्थिक ढांचा तोडना, क्षेत्र की विकास गतिविधियों के साथ स्थानीय लोगों से संपर्क एवं उनके अंदर सुरक्षा मिलने का आश्वासन पैदा करना। सुरक्षा एजैंसियों ने आतंकवाद बन चुके बड़े नक्सली नामों को संघर्ष में समाप्त किया। सुरक्षा कार्रवाइयों के दबाव में हजारों का आत्मसमर्पण हुआ। आर्थिक कमर तोडने के लिए राष्ट्रीय जांच एजैंसी (एन.आई.ए.) और प्रवर्तन निदेशालय को दायित्व दिया गया, जिससे नक्सलियों से अवैध करोड़ों रुपए जब्त किए गए। धन शोधन निवारण अधिनियम (पी.एम.एल.ए.) के तहत मामले दर्ज हुए और नक्सलियों को धन देने वालों को गिरफ्तार किया गया। इसके समानांतर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के लिए बजट आबंटन में 300 प्रतिशत की वृद्धि की गई। प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल नैटवर्क लगे, सड़कें बनीं, राशन की दुकानें खुलीं, स्कूल चलाने की कोशिश हुई, स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई गईं, बैंक, ए.टी.एम. और डाकघर खोले गए। रोजगार प्रशिक्षण के लिए आई.टी.आई. और कौशल केंद्र बनाए गए। सुरक्षा बलों के साए में सांस्कृतिक–धार्मिक–सामाजिक गतिविधियों में लोगों को शामिल करने की कोशिश हुई और उनके अंदर का भय मिटता गया तथा उनका भी सहयोग मिलने लगा। आत्मसमर्पण नीति लागू की गई, जिसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। सरकार ने हर गांव तक पहुंच बनाई। क्रूरता, निर्दयता और दमन करने के आरोप लगाने वालों के सामने गृह मंत्री ने लोकसभा में आंकड़ा देते हुए कहा कि सन् 2024 से अब तक 706 नक्सली मारे गए जबकि उनकी तुलना में 2218 गिरफ्तार किए गए तथा 4849 ने आत्मसमर्पण किया। गृह मंत्री ने कहा कि मैं 50 बार कह चुका हूं कि हथियार डाल दो सरकार पुनर्वास की व्यवस्था करेगी।

रचना सक्सेना की ग़ज़ल

न दौलत साथ रहती है न शौक़त साथ रहती है
नियत गर साफ़ होती है तो बरकत साथ रहती है

तहम्मुल पास हो जिनके वो आँखें नम नहीं होतीं,
कठिन हर वक़्त में उनके ये आदत साथ रहती है

इनायत रब की समझो गर बुज़ुर्गों की मिले छाया
भटकती राह पर उनकी नसीहत साथ रहती है

शरीफ़ों का ये दुनिया में बड़ा मुश्किल रहा जीना
क़दम दर हर क़दम उनके मुसीबत साथ रहती है

यही कहती सुनो 'रचना' कमाना है सआदत को
चले जब छोड़ कर, दुनिया ये जीदत साथ रहती है

रचना सक्सेना
आलोपीबाग, प्रयागराज

हाथों में हाथ डाल पति राज संग नाइट आउट पर निकलीं शिल्पा शेट्टी, बैकलेस ब्लैक मिडी ड्रेस में काटा बवाल

> हाथ में रेड कलर का लग्जरी हैंडबैग उनके पूरे लुक में एक खास टच जोड़ है। 50 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और ग्लो देखकर फैंस के होश उड़ गए। वहीं, राज कुंद्रा कैजुअल लुक में नजर आए।

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को सुर्खियों में रहना अच्छे से आता है। कभी वह अपने लुक्स तो कभी काम को लेकर खबरों में रहती हैं। इन सबके बीच हाल ही में उन्हें उनके पति राज कुंद्रा के साथ मुंबई के जुहू इलाके में नाइट आउट के दौरान स्पॉट किया गया, जहां उनका ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला। अब शिल्पा की नाइट आउट की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान शिल्पा शेट्टी ब्लैक कलर की स्टाइलिश मिडी ड्रेस में नजर आईं, जो उनके लुक को बेहद क्लासी और एलिगेंट बना रही है। उन्होंने अपने बाल खुले रखे थे और मिनिमल मेकअप के साथ अपने लुक को सिंपल लेकिन आकर्षक रखा। हाथ में रेड कलर का लग्जरी हैंडबैग उनके पूरे लुक में एक खास टच जोड़ है। 50 की उम्र में भी उनकी फिटनेस और ग्लो देखकर फैंस के होश उड़ गए। वहीं, राज कुंद्रा कैजुअल लुक में नजर आए। उन्होंने ब्लैक टी–शर्ट, डेनिम जींस और स्नीकर्स पहने, जिसमें उनका अंदाज काफी स्मार्ट और कंफर्टेबल लग रहा है। दोनों की जोड़ी साथ में बेहद शानदार लग रही है और उनकी केमिस्ट्री भी देखने लायक है। नाइट आउट के दौरान दोनों एक लग्जरी रेड कार में नजर आए, जिसने भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। सोशल मीडिया पर उनकी ये तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके स्टाइल और फिटनेस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। शिल्पा और राज अक्सर अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद एक–दूसरे के साथ क्वालिटी टाइम बिताने की कोशिश करते हैं। राज कुंद्रा कई बार इंटरव्यू में इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि रिश्ते को मजबूत बनाए रखने के लिए साथ समय बिताना बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि जिंदगी की भागदौड़ में भी पार्टनर के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि रिश्ते में दूरी न आए।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी की 'मैं एक्टर नहीं हूं' 8 मई को भारत में रिलीज, इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में बटोरी सराहना

नवाजुद्दीन सिद्दीकी के लिए हर किरदार एक नई जिंदगी जीने का मौका होता है। उनकी आगामी फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूँ' 8 मई 2026 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है, जिसमें एक बार फिर उन्होंने एक ऐसा किरदार निभाया है जिसने उन्हें भावनाओं के एक बिल्कुल नए पहलू को समझने का अवसर दिया। अपने किरदार 'अदनान' के बारे में बात करते हुए नवाजुद्दीन ने कहा, "अदनान का किरदार मेरे बाकी किरदारों से काफी अलग है क्योंकि इसमें मैं एक रिटायर्ड व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूँ। इस फिल्म और आदित्य की इस कहानी के जरिए मैंने उस उम्र के अनुभव को महसूस किया, जो मेरे पास पहले नहीं था।" उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग प्रक्रिया को भी बेहद खास बताया। "हम 3•3 की छोटी फोन स्क्रीन पर इमोशन्स को महसूस कर रहे थे और उन्हें परफॉर्म कर रहे थे। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया," उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि फिल्म का फॉर्मेट उनके लिए एक नई चुनौती था। इस किरदार से मिली सीख के बारे में नवाजुद्दीन ने आगे कहा, "कहा जाता है कि एक अभिनेता होने का सबसे अच्छा पहलू यह है कि हम एक ही जीवन में कई जिंदगियाँ जीते हैं। मुझे नहीं पता था कि रिटायर होने के बाद एक व्यक्ति की जिंदगी कैसी होती है। लेकिन इस फिल्म के जरिए मुझे यह समझ आया कि रिटायरमेंट के बाद किस तरह की चिंता, डिप्रेशन और अन्य भावनाएँ मन में आती हैं। एक अभिनेता के तौर पर यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास रहा।" भारत में रिलीज से पहले 'मैं एक्टर नहीं हूँ' ने अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में शानदार सफर तय किया है।

सारा के बाद अब मलाइका अरोड़ा ने की बड़ी डील, 3 साल के लिए किराए पर दिया अपार्टमेंट

बॉलीवुड सेलेब्स फिल्मों और विज्ञापन के जरिए तो लाखों कमाते ही हैं। इसके अलावा वे प्रॉपर्टी निवेश से भी करोड़ों की कमाई करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस सारा अली खान ने अपना मुंबई का एक बंगला 5 साल के लिए लीज पर दिया है। वहीं, सारा के बाद अब एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने भी ऐसी ही डील की है। खबरें हैं कि मलाइका ने भी अपना मुंबई का अपार्टमेंट 3 साल के लिए किराए पर दिया है। स्क्वायर यार्ड्स की रिपोर्ट के मुताबिक, मलाइका अरोड़ा ने अपना मुंबई स्थित अपार्टमेंट 3 साल के लिए किराए पर दिया है। उनका यह अपार्टमेंट बांद्रा वेस्ट में कार्टर रोड के पास विदा नामक एक बिल्डिंग में है। उन्होंने इसे 3.10 लाख के शुरुआती मंथली रेंट पर उठाया है। प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन डॉक्यूमेंट्स के मुताबिक, उनके अपार्टमेंट का किराया 1.17 करोड़ रुपये है। किराया हर साल 5 पर्सेंट बढ़ेगा। दूसरे साल ये 3.25 लाख हो जाएगा और तीसरे साल 3.41 लाख हो जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये अपार्टमेंट अदिति राव को लीज पर दिया गया है। उन्होंने 20 लाख रुपये की सिक्योरिटी डिपॉजट जमा की है। ये डील 18 मार्च, 2026 को हुई थी। इसके लिए 30,819 रुपये की स्टाम्प ड्यूटी और 1,000 रुपये का रजिस्ट्रेशन चार्ज दिए गए है। मलाइका अरोड़ा की बात करें तो वो इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्हें अक्सर हर्ष मेहता के साथ देखा जाता है। हाल ही में एक्ट्रेस राजस्थान के आदिनाथ जैन मंदिर में हर्ष के साथ दिखी थीं। इससे पहले दोनों की एक वेलेंटाइन वीक की रोमांटिक फोटो वायरल हुई थी। सोशल मीडिया पर अक्सर दोनों के अफेयर की खबरें उड़ती रहती हैं, लेकिन इन सब खबरों पर न मलाइका और न ही हर्ष ने कोई पुष्टि की है।

अजय देवगन के जन्मदिन पर सेलेब्स ने लुटाया प्यार

आज 2 अप्रैल को अजय देवगन अपना 57वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर अक्षय कुमार, करीना कपूर, रोहित शेट्टी, रकुल प्रीत और राजपाल यादव के अलावा कई सेलेब्स उन्हें जन्मदिन की शुभकानाएं दे रहे हैं। अक्षय कुमार ने अजय देवगन को जन्मदिन की बधाई दी है। अक्षय ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में अक्षय मस्ती में अपने दोस्त अजय को किस करते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ अक्षय ने लिखा, दोस्ती इतनी पुरानी है, प्यार तो होगा ही। इसके आगे अक्षय ने लिखा, हैप्पी बर्थ डे। करीना कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर अजय देवगन के साथ एक खास तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ करीना ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे सिंघम और ढेर सारा प्यार। करीना कपूर और अजय देवगन ने एक साथ सिंघम फ्रेंचाइजी की कई फिल्में की हैं। रोहित शेट्टी और अजय देवगन ने एक साथ जमीन, गोलमाल सीरीज (1, 2, 3, 4), ऑल द बेस्ट, बोल बच्चन, सिंघम, सिंघम रिटर्न्स और सिंघम अगेन जैसी कई फिल्मों में काम किया है। रोहित और अजय अच्छे दोस्त भी हैं। रोहित ने इंस्टाग्राम पर अजय के साथ एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो के साथ रोहित ने कैप्शन में लिखा, 90 के दशक की भागदौड़ से लेकर आज तक। कम बातें, ज्यादा काम। जन्मदिन मुबारक हो बड़े भाई।

ऋचा चड्ढा को दिल्ली हाईकोर्ट से फटकार, फ्लाइट में छेड़छाड़ के आरोप वाले पोस्ट को रीशेयर करना पड़ा महंगा

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा समेत कई लोगों को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सख्त टिप्पणी करते हुए फटकार लगाई है। मामला एक ऐसी घटना से जुड़ा है, जिसमें एक व्यक्ति पर फ्लाइट के दौरान कथित गलत व्यवहार के आरोप लगाए गए थे और बिना पूरी जांच के उसे सोशल मीडिया पर 'छेड़छाड़ करने वाला' तक कह दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर साझा की गई सामग्री ने एफआईआर की सीमाओं को पार कर दिया और तथ्यों की पुष्टि किए बिना ही व्यक्ति को दोषी ठहराने की कोशिश की गई। जस्टिस विकास महाजन ने इस तरह की पोस्ट्स को गैर–जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि इससे न सिर्फ मामले को सनसनीखेज बनाया गया, बल्कि न्याय प्रक्रिया पर भी असर पड़ा। अदालत के अनुसार, कुछ पोस्ट्स में संबंधित व्यक्ति की तस्वीर के साथ 'मॉलेस्टर' जैसे शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गए थे, जिससे उसकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। कोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला मानते हुए कहा कि इस तरह की पोस्ट्स किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सकती हैं और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित कर सकती हैं। यह पूरा मामला 11 मार्च की एक फ्लाइट से जुड़ा है, जिसमें एक महिला पत्रकार ने एक यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया था। हालांकि, आरोपित व्यक्ति ने इन सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह पूरी यात्रा के दौरान अपनी सीट पर ही था और फ्लाइट खत्म होने से पहले सो रहा था। विवाद तब और बढ़ गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए उस व्यक्ति की पहचान, फोटो और पेशेवर जानकारी सार्वजनिक कर दी गई, जबकि उस समय तक आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज भी नहीं हुआ था। इसके बाद इस पोस्ट को कई लोगों और मशहूर हस्तियों ने शेयर किया, जिससे मामला तेजी से फैल गया। ऋचा चड्ढा ने भी इस पोस्ट को री–शेयर करते हुए टिप्पणी की थी, जिससे यह और ज्यादा वायरल हो गया। कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह के कदम किसी व्यक्ति के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में स्पष्ट किया कि बिना जांच और सबूतों के किसी को दोषी ठहराना न सिर्फ गैर–जिम्मेदाराना है, बल्कि यह कानून के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

घर में आए मेहमानों के लिए तैयार करें दही कबाब, एक बार खाकर मांगेगे बार-बार

दही से कई तरह की स्वादिष्ट रेसिपीज तैयार की जाती है। ऐसे में अगर आपके घर मेहमान आए हैं और आपके उनके लिए कुछ यमी और लाजवाब बनाने की सोच रहे हैं तो दही के कबाब बनाकर खिला सकते हैं। एक स्टार्टर के तौर पर आप उन्हें यह डिश सर्व कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी के बारे में...

सामग्री

पनीर क्रश किया हुआ – डेढ़ कप
हंग कर्ड – 2 कप
कटे हुए काजू – 3–4 टेबलस्पून
ब्रेड का चूरा – 2 कप
हरी मिर्च कटी हुई – 2–3
प्याज फ्राइड – 1/2 कप
हरा धनिया कटा हुआ – 1 कप
गर्म मसाला – 1/2 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर – 1/2 चम्मच
कॉर्न फ्लोर – 1/2 चम्मच
तेल – जरुरतअनुसार
नमक – स्वादअनुसार

बनाने की विधि

1. सबसे पहले पनीर को एक बाउल में निकालें।
2. फिर एक बड़े बाउल में हंग कर्ड डालकर इसमें पनीर मिला दें।
3. इसके बाद इस मिश्रण में तला हुआ प्याज, लाल मिर्च, कटे हुए काजू, हरी मिर्च, हरा धनिया मिलाएं और अच्छे से मिक्स करें।
4. मिक्स करके सारे मिश्रण को ब्रेड का चूरा भी मिलाएं।
5. सामग्रियों को मिक्स करके ज्यादा गूंथे नहीं। नहीं तो इससे दही में नमी आने लगेगी। इसके बाद यदि आटा चिपचिपा लगे तो और ब्रेड का चूरा मिलाएं।
6. फिर थोड़ा सा हाथों में मिश्रण लेकर छोटे–छोटे बॉल्स तैयार करें।
7. इन बॉल्स को दबाते हुए कबाब का आकार दे दें।
8. कबाब तैयार करने के बाद इसमें कॉर्न फ्लोर के साथ कोट करें।
9. ऐसे ही सारे मिश्रण से कबाब तैयार कर लें ।
10. इसके बाद एक कढ़ाई गैस पर गर्म करें और उसमें कोट किए हुए कबाब मिलाकर फ्राई कर लें।
11. ब्राउन और क्रिस्पी होने पर कबाब एक प्लेट में निकाल लें।
12. आपके स्वादिष्ट दही कबाब बनकर तैयार हैं। हरी चटनी या फिर सॉस के साथ सर्व करें।

अरबी की सब्जी बढ़ जाएगा स्वाद, बनाते समय फॉलो करें ये कुकिंग टिप्स

गर्मियों के दिनों में अक्सर अरबी की सब्जी का स्वाद लिया जाता है। सूखी, रसेदार कई तरह से इसे तैयार किया जाता है। इसे बनाना काफी आसान है और यह स्वास्थ्य के लिए भी बेहद ही फायदेमंद होती है। परंतु कई महिलाओं की अक्सर यही शिकायत रहती है कि इसका स्वाद नहीं अच्छा आ पाता। ऐसे में आज आपको कुछ ऐसे कुकिंग हैक्स बताते हैं जिनके जरिए आप अरबी की सब्जी का स्वाद बढ़ा सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

अच्छी चुनें अरबी

अरबी को बनाने से पहले आप अच्छी अरबी का चुनें। बनाने के लिए हमेशा गोल ही अरबी लें। यह बनाने में भी आसान होती है और गल भी आसानी से जाता ही है। परंतु यदि आप लंबी अरबी लेंगी तो यह अंदर से कच्ची रह जाती है।

सब्जी के लिए ऐसे उबालें अरबी

यदि आप अरबी का स्वाद बढ़ाना चाहती हैं तो इसे बनाने से पहले कई बातों का ध्यान रखें। कई महिलाएं सूखी अरबी बनाती हैं तो कई इसे स्टार्टर के तौर पर सर्व करती हैं परंतु यदि आप अरबी को रसेदार बनाना चाहती हैं तो उसे न उबालें। इससे यह ज्यादा रसेदार बनेगी और यह लसलसी नहीं बनेगी।

नमक वाले पानी का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप अरबी को बनाने के लिए नमक वाले पानी का इस्तेमाल करें। छीलते समय इसे नमक के पानी में डाल दें। नमक वाले पानी में डालने के कुछ देर बाद ही इसे काटें। इससे इसकी सब्जी काफी स्वाद बनेगी। इसके अलावा इसे छीलते समय इस बात का ध्यान रखें कि हाथों में तेल लगा लें। इससे काटते समय आपको हाथों में खुजली नहीं होगी।

नींबू करें इस्तेमाल

अरबी की सब्जी के लिए आप नींबू का रस इस्तेमाल कर सकती हैं। सब्जी का स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें नींबू निचौड़ें इसके अलावा आप आमचूर पाउडर भी प्रयोग कर सकती हैं। इससे स्वाद भी बढ़ेगा और फ्लेवर भी निखर कर आएगा।

त्वचा पर नहीं दिखेगा बढ़ती उम्र का असर, डाइट में शामिल करें ये 5 फूड्स

बढ़ती उम्र का असर सबसे पहले अक्सर त्वचा पर दिखाई देता है। हर महिला चाहती है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उसका चेहरा जवां और ग्लोइंग बना रहे। इसके लिए केवल बाहरी देखभाल ही नहीं, बल्कि सही डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल भी बेहद जरूरी है। संतुलित आहार अपनाने से न केवल त्वचा की झुर्रियों को कम किया जा सकता है, बल्कि यह दिल संबंधी बीमारियों, गठिया और डायबिटीज जैसी स्वास्थ्य समस्याओं को भी नियंत्रित करने में मदद करता है। जानें किया खाने से दिखेंगे जवां।

एंटीऑक्सीडेंट्स

बढ़ती उम्र में एंटीऑक्सीडेंट्स आपके ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करता है। ऑक्सीडेटिव तनाव के कारण बॉडी के सेल्स खराब हो सकते हैं जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और पुरानी बीमारियां बढ़ सकती हैं। संतरे, नींबू, टमाटर, तरबूज, ब्रोकली, गाजर, रंगीन फल और सब्जियों में एंटीऑक्सीडेंट्स काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ऐसे में आप रोज अपनी डाइट में एंटीऑक्सीडेंट युक्त फल और सब्जियां डाइट में शामिल जरुर करें।

प्रोटीन

उम्र बढ़ने के साथ–साथ मांसपेशियों को भी नुकसान होता है। ऐसे में जरुरी है कि आप प्रोटीन अपनी डाइट में शामिल करें। दालें, सेम फलियां, सोया, मछली, पोल्ट्री और प्लांट्स बेस्ड फूड्स के जरिए आप प्रोटीन का सेवन कर सकते हैं।

ओमेगा–3 फैट एसिड फूड्स

जरुरी नहीं कि सारे फैट्स वाले फूड्स खराब हो कुछ उम्र के साथ आपकी सेहत के लिए जरुरी होते हैं। ओमेगा–3 फैटी एसिड एक ऐसा पोषक तत्व है जो आपको हार्ट फैलियर, गठिया जैसी स्थितियों से बचाता है। इसके अलावा हाल ही में हुए अध्ययन के अनुसार, अलजाइमर और पॉर्किनसन के रोगियों में भी इस फूड का सेवन करने के फायदे बताए गए हैं। नट, बीज और फैटी मछलियां ओमेगा–3 फैटी एसिड की अच्छी स्त्रोत मानी जाती हैं।

कैल्शियम और विटामिन–डी

उम्र बढ़ने के कारण हड्डियां भी कमजोर होने लगती हैं जिसके कारण फ्रैक्चर, दर्द जैसी परेशानियां होने लगती हैं। ऐसे में आप कैल्शियम और विटामिन–डी युक्त आहार को अपनी डाइट में शामिल करें। विटामिन–डी आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए काफी जरुरी है। दूध, दही, तिल और पालक जैसे डेयरी उत्पाद कैल्शियम के अच्छे स्त्रोत माने जाते हैं। वहीं फोर्टिफाइड दूध, अंड और सी–फूड विटामिन–डी के काफी अच्छे स्त्रोत माने जाते हैं।

फाइबर

40–50 की उम्र में पाचन संबंधी समस्याएं बहुत जल्दी शरीर को घेरती हैं जिसमें मुख्य रुप से कब्ज है ऐसे में आप कुछ फल, सब्जियां, अनाज और दालों के जरिए पर्याप्त मात्रा में फाइबर ले सकते हैं। 25–30 ग्राम फाइबर आपकी बाउल मूवमेंट को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है। इसके अलावा फाइबर को डाइट में शामिल करने से डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी और शुगर स्पाइक्स को रोकने में भी मदद मिलती है। फाइबर खाने से आप कई और भी स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं। एजिंग के प्रभावों को कम करने के लिए कोई एजिंग मंत्र नहीं बल्कि एक अच्छा लाइफस्टाइल है जिसे आपको शुरु से ही अपनाना चाहिए। अच्छी और हैल्दी डाइट को फॉलो करके आप कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स से दूर रहकर एक खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

शादी के बाद है पहली रसोई तो इन तरीकों से बढ़ाएं खाने का स्वाद

शादी के बाद हर लड़की यही चाहती है कि वह अपने परिवार की जिम्मेदारियां अच्छे से संभाल सके। खासकर जब बात पहली रसोई की हो तो लड़कियां अक्सर थोड़ी घबरा जाती हैं। ऐसे में अगर आपकी भी शादी के बाद ससुराल में पहली रसोई है तो आपको कुछ ऐसे कुकिंग हैक्स बताते हैं जो खाने में स्वाद भर देंगे तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

मीठी डिश में मिलाएं नमक

ससुराल में पहली रसोई के लिए अगर आप कुछ मीठा बना रही हैं तो उसमें एक चुटकी नमक मिला दें। इससे स्वाद और भी ज्यादा बढ़ जाएगा।

खिले–खिले बनेंगे चावल

अगर आप चाहती हैं कि चावल खिले–खिले बनें तो इसके लिए एक चम्मच घी और कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाएं। इससे चावल खिले–खिले और सफेद बनेंगे।

पूड़ियां नहीं सोखेंगी ज्यादा तेल

पूड़ियां बनाने से पहले इन्हें बेलकर 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। इससे वह फ्राई करते समय ज्यादा तेल नहीं सोखेंगी।

फ्रैंज फ्राइज बनेंगे स्वाद

फ्रैंज फ्राइज बनाने के लिए आप आलू को काटकर 2–3 मिनट के लिए पानी में डालकर उबाल लें। इसके बाद इन्हें पानी में से निकालकर टिश्यू पेपर पर डालें। इससे इनमें मौजूद सारा पानी सूख जाएगा। इसके बाद आलू को कॉर्न फ्लॉर में डालकर जिप लॉक बैग या फिर एयरटाइट डिब्बे में बंद करके फ्रिज में रखें। जरुरत पड़ने पर इन्हें निकालकर फ्राई कर लें। इससे यह क्रंची भी बनेंगे और स्वाद भी हटकर आएगा।

बासी ब्रेड से बनाएं कटलेट

अगर आपके घर में पुरानी या बासी ब्रेड पड़ी है तो उसे फेंकने की जरुरत नहीं है। आप उसे पीसकर एक एयरटाइट डिब्बे में रख लें। इसके बाद कटलेट या कबाब बनाने के लिए इसका इस्तेमाल करें। इससे कबाब और कटलेट स्वाद भी बनेंगे और टूटेंगे भी नहीं।

ग्रेवी का बढ़ेगा स्वाद

ग्रेवी का स्वाद बढ़ाने के लिए प्याज को भूनते दौरान इसमें 1ध्2 चम्मच चीनी डाल दें। चीनी ग्रेवी में मिक्स होकर रंग भी बदलेगी और स्वाद भी भरपूर देगी।

सुबह उठने के बाद नहीं होती पॉटी ? तो रात में सोने से पहले करें ये काम

सुबह उठते ही अगर आपको पॉटी नहीं आती, तो यह आपके पाचन तंत्र और जीवनशैली की चेतावनी हो सकती है। कई लोग इसे सामान्य मान लेते हैं, लेकिन अगर यह लगातार होता रहे, तो पेट में कब्ज, गैस या अन्य पाचन संबंधी समस्याओं की शुरुआत हो सकती है। आइए जानते हैं, इसे सुधारने के लिए आप क्या कर सकते हैं।

पर्याप्त पानी पिएं

रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीना सबसे पहला और आसान उपाय है। पानी आपके पाचन तंत्र को सुचारू रूप से चलाने में मदद करता है। सुबह उठते ही एक ग्लास गुनगुना पानी पीने से आंतें सक्रिय होती हैं और पॉटी आने की संभावना बढ़ जाती है।

वजन घटाने के लिए गर्म पानी कैसे और कब पिएं, जाने बेहतरीन तरीके

फाइबर युक्त आहार अपनाएं

आपके आहार में फाइबर की कमी कब्ज की मुख्य वजह हो सकती है। हरी सब्जियाँ, फल जैसे सेब, पपीता, पपीता, गाजर और साबुत अनाज फाइबर से भरपूर होते हैं। फाइबर आपके आंतों को साफ रखने और मल को नरम बनाने में मदद करता है।

हल्का व्यायाम और स्ट्रेचिंग

सुबह उठते ही हल्का व्यायाम या स्ट्रेचिंग करना पाचन को सक्रिय करता है। 5–10 मिनट की योगासनों, जैसे भुजंगासन, वज्रासन या पेट के हल्के मसाज, से आंतें काम करने लगती हैं और कब्ज की समस्या कम होती है।

नियमित दिनचर्या बनाएं

पॉटी आने में सबसे जरूरी है रूटीन। रोजाना एक ही समय पर उठें और कोशिश करें कि सुबह कुछ समय बाथरूम में बिताएँ। शरीर धीरे–धीरे इस समय के अनुसार पाचन क्रिया को एडजस्ट कर लेता है।

पेट साफ नहीं हो रहा? गुनगुने पानी में ये 2 चीजें मिलाकर पिएं, पाएं तुरंत राहत

प्रोबायोटिक्स का सेवन

दही, किमची या प्रोबायोटिक सप्लीमेंट्स आंतों के लिए अच्छे बैक्टीरिया प्रदान करते हैं। ये बैक्टीरिया पाचन तंत्र को मजबूत करते हैं और मल को नियमित रूप से बाहर निकालने में मदद करते हैं।

कैफीन का संतुलित सेवन

अगर आप कॉफी पीते हैं तो सुबह इसे थोड़ी मात्रा में लेना फायदेमंद हो सकता है। कैफीन आंतों की मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जिससे पाचन तेज होता है। लेकिन अधिक मात्रा में लेने से डिहाइड्रेशन और गैस की समस्या हो सकती है।

तनाव और चिंता से बचें

तनाव और चिंता भी कब्ज का बड़ा कारण हो सकती है। सुबह की पॉटी रूटीन प्रभावित होती है अगर मन तनावग्रस्त या बेचौन हो। ध्यान, मेडिटेशन या गहरी सांस लेने के व्यायाम से मन शांत होता है और पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है।

जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें

अगर ऊपर बताए गए उपाय अपनाने के बाद भी रोजाना सुबह पॉटी नहीं आती या पेट में दर्द, सूजन या अन्य गंभीर लक्षण हैं, तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें। यह कब्ज, थायरॉइड या पाचन तंत्र की किसी बीमारी का संकेत भी हो सकता है। सुबह उठते ही पॉटी न आने की समस्या को अनदेखा न करें। पर्याप्त पानी, फाइबर युक्त आहार, हल्का व्यायाम और नियमित दिनचर्या से इसे सुधारना संभव है। स्वास्थ्यप्रद आदतें अपनाकर आप न केवल कब्ज से बच सकते हैं, बल्कि पाचन तंत्र को मजबूत भी बना सकते हैं।

संक्षिप्त

मार्च महीने में भारत की विनिर्माण की वृद्धि दर चार साल के निचले स्तर पर

नई दिल्ली,एजेंसी। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का सीधा असर अब भारत के विनिर्माण क्षेत्र पर दिखने लगा है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों और मांग में अनिश्चितता के कारण मार्च महीने में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर लगभग चार वर्षों के अपने सबसे निचले स्तर पर आ गई है। एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित श्एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्सश (पीएमआई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च में यह सूचकांक गिरकर 53.9 पर आ गया है, जो फरवरी में 56.9 पर था। यह आंकड़ा 53.8 के प्रारंभिक अनुमान के लगभग अनुरूप ही है। इस गिरावट का मुख्य कारण मांग का कमजोर होना है, जिसके चलते नए ऑर्डर और उत्पादन का विस्तार लगभग चार वर्षों में अपनी सबसे धीमी दर से हुआ है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने इस स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा, ष्पश्चिम एशिया में संघर्ष से जुड़ी बाधाएं वैश्विक अर्थव्यवस्था में गूंज रही हैं और भारतीय निर्माताओं पर भारी पड़ रही हैं। लागत में भारी वृद्धिरू एल्युमीनियम, रसायन, ईंधन और स्टील की कीमतों में तेज उछाल के कारण कंपनियों को अगस्त 2022 के बाद से सबसे भारी लागत दबाव का सामना करना पड़ा है। इनपुट लागत में भारी वृद्धि के बावजूद, कंपनियों ने ग्राहकों पर पूरा बोझ नहीं डाला और पिछले दो वर्षों में सबसे धीमी गति से अपने बिक्री मूल्य बढ़ाए हैं। निर्यात में मजबूतीरू मांग में समग्र सुस्ती के बावजूद विदेशी बाजारों से समर्थन मिला है, जिससे मार्च में निर्यात ऑर्डर उछलकर छह महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। रोजगार में वृद्धिरू कंपनियों ने अपने लंबित काम निपटाने और भविष्य की विस्तार योजनाओं को समर्थन देने के लिए नई भर्तियां की हैं। इसके चलते रोजगार वृद्धि की दर सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि भू–राजनीतिक तनाव और ईंधन की महंगी कीमतों ने मैन्युफैक्चरिंग की वर्तमान रफ्तार को धीमा कर दिया है, लेकिन भारत के विनिर्माता भविष्य के व्यापार को लेकर अत्यधिक आश्वस्त बने हुए हैं। कृषि क्षेत्र में मजबूती की उम्मीद और क्षमता विस्तार की योजनाओं के दम पर आगामी वर्ष के लिए निर्माताओं का व्यापारिक आशावाद मई 2024 के बाद के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

गिरावट के बाद संभला बाजार, सेंसेक्स में 950 अंकों की रिकवरी, निफ्टी 22500 के पार

नई दिल्ली,एजेंसी। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बिकवाली के बाद दिन के सत्र में रिकवरी दिख रही है। सेंसेक्स अपने निचले स्तर से करीब 950 अंकों की रिकवरी करता दिखा। निफ्टी 22,450 का स्तर पार करने में सफल रहा है। दोपहर 1 बजकर 43 मिनट पर सेंसेक्स पिछले दिन के मुकाबले 473.26 (0.64:) अंक गिरकर 72,661.06 के स्तर पर जबकि निफ्टी 146.11 (0.64%) की नरमी के साथ 22,533.30 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। इससे पहले, भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बुरी तरह धराशायी हो गए। सेंसेक्स लगभग 1300 अंकों से अधिक गिर गया और निफ्टी बुधवार की बढ़त के बाद 22,250 से नीचे आ गया। निवेशकों ने अन्य कारणों के साथ–साथ ईरान–अमेरिका युद्ध में ट्रंप की टिप्पणियों पर रिएक्शन दिया, जिससे बेंचमार्क पिटते दिखे। सुबह 9.39 बजे सेंसेक्स 1,394.38 (–1.90%) अंक टूटकर 71,739.94 पर जबकि निफ्टी 407.75 (1.80%) अंक फिसलकर 22,271.65 पर कारोबार करता दिखा। इस दौरान बैंकिंग और फार्मा सेक्टर के शेयरों में तेज बिकवाली दिखी। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग दो प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसईसेंसेक्स 1,433.72 अंक या 1.96 प्रतिशत लुढ़ककर 71,700.60 पर आ गया। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 445.70 अंक या 1.97 प्रतिशत का गोता लगाकर 22,233.70 के स्तर पर पहुंच गया। उल्लेखनीय है कि इसके ठीक एक दिन पहले बुधवार को सेंसेक्स 1,186.77 अंकों की छलांग के साथ 73,134.32 पर और निफ्टी 348 अंक चढ़कर 22,679.40 पर बंद हुआ था। बाजार की इस भारी गिरावट के पीछे वैश्विक भू–राजनीतिक तनाव सबसे बड़ा कारक है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप की इस घोषणा के बाद कि श्हम अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर बेहद कड़ा प्रहार करने जा रहे हैं, बाजार की धारणा फिर से नकारात्मक हो गई है। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड लगभग 4.44 से 5 प्रतिशत की तेजी के साथ 105.65 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। अमेरिकी 10–वर्षीय बॉन्ड यील्ड बढ़कर 4.36 प्रतिशत हो गई है, जिसका सोने और चांदी की कीमतों पर मामूली नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। विदेशी फंड्स की निकासीरू एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 8,331.15 करोड़ रुपये के शेयरों की भारी बिकवाली की, हालांकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 7,171.80 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर बाजार को कुछ सहारा देने की कोशिश की। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां नुकसान में कारोबार कर रही थीं। सबसे ज्यादा पिछड़ने वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, इंडिगो, अदाणी पोर्ट्स, इटरनल, लार्सन एंड टुब्रो, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और पावरग्रिड शामिल रहे। इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं है। अमेरिकी बाजार बुधवार को भले ही बढ़त के साथ बंद हुए हों, लेकिन गुरुवार को व्यापक एशियाई बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 4.31 प्रतिशत, जापान का निक्केई 2.24 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.04 प्रतिशत और शंघाई का कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत गिर गया। भारतीय रुपये ने ऐतिहासिक निचले स्तर से शानदार वापसी करते हुए गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 151 पैसे की मजबूत रिकवरी दर्ज की है।

आज ही के दिन खत्म हुआ था 28 साल का इंतजार:भारत बना था विश्व चैंपियन, सचिन बोले- 15 साल बाद भी ताजा हैं यादें

मुंबई,एजेंसी। दो अप्रैल, 2011 का दिन भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए यादगार बन चुका है। इसी दिन एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में श्रीलंका को छह विकेट से हराकर आईसीसी वनडे विश्व कप पर कब्जा जमाया था। यह जीत इसलिए भी खास थी क्योंकि भारत ने 28 साल बाद विश्व कप खिताब जीता और करोड़ों क्रिकेट प्रशंसकों का सपना पूरा हुआ। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने भी 2011 वर्ल्ड कप जीत की 15वीं सालगिरह पर उस ऐतिहासिक पल को याद करते हुए भावुक संदेश साझा किया। सचिन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए उस रात के जज्बातों को शब्दों में पिरोया, जिसने करोड़ों भारतीयों के दिलों में हमेशा के लिए जगह बना ली। सचिन ने अपने संदेश में लिखा, पहली गेंद हमेशा दिल की धड़कन बढ़ा देती है और उस रात, ये कभी रुकी ही नहीं। 15 साल बाद भी वो एहसास हमारे साथ है। हम सभी एक युवा टीम के रूप में बड़े हुए, एक ही सपना लेकर भारत के लिए वर्ल्ड कप जिताना है। इस सफर का हिस्सा रहे हर खिलाड़ी और हर फैन का धन्यवाद३ आपने इसे खास बना दिया। सचिन के लिए यह जीत बेहद खास थी, क्योंकि अपने आखिरी वर्ल्ड कप में उन्होंने ट्रॉफी उठाने का सपना पूरा किया। वह टूर्नामेंट में भारत के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे। फाइनल मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उनकी शुरुआत भले ही धीमी रही, लेकिन अनुभवी बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 88 गेंदों में नाबाद 103 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान कुमार संगाकारा ने 48 रन का योगदान दिया, जिसकी बदौलत श्रीलंका ने निर्धारित 50 ओवरों में छग विकेट के नुकसान पर 274 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जल्दी ही अपने दोनों ओपनर खो दिए। ऐसे मुश्किल समय में विराट कोहली और गौतम गंभीर ने पारी को संभाला। कोहली ने 35 रन बनाकर टीम को स्थिरता दी, जबकि गंभीर ने 97 रन की शानदार पारी खेलकर जीत की मजबूत नींव रखी। इसके बाद कप्तान धोनी ने खुद को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजते हुए जिम्मेदारी संभाली और मैच को अंत तक लेकर गए। उन्होंने 79 गेंदों में नाबाद 91 रन बनाए और अंत में विजयी छक्का लगाकर भारत को ऐतिहासिक जीत दिलाई। उनका यह छक्का आज भी भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित और यादगार पलों में गिना जाता है।

इस मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए धोनी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाले युवराज सिंह को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। युवराज ने टूर्नामेंट में 362 रन बनाने के साथ–साथ 15 विकेट भी लिए थे और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। भारत की यह दूसरी विश्व कप जीत थी। इससे पहले टीम ने 1983 में कपिल देव की कप्तानी में वेस्टइंडीज को हराकर पहली बार विश्व कप जीता था। इसके बाद 2003 में सौरव गांगुली की कप्तानी में टीम फाइनल तक पहुंची, लेकिन रिकी पोंटिंग की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया से हार गई। कुल मिलाकर भारत अब तक चार बार वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंच चुका है, जिसमें उसे दो बार सफलता मिली है। 2 अप्रैल 2011 की यह जीत भारतीय क्रिकेट के इतिहास में गर्व, जुनून और संघर्ष का प्रतीक बनकर हमेशा याद रखी जाएगी। हाल के वर्षों में भी भारत फाइनल तक पहुंचा। 2023 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन फाइनल में पैट कमिंस की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर खिताब अपने नाम कर लिया।

दिल्ली कैपिटल्स को जिताने वाले समीर रिजवी की रूमर्ड गर्लफ्रेंड कौन ? तस्वीरों से इंटरनेट पर लगाई आग

नई दिल्ली,एजेंसी। हालांकि, इस मैच से ज्यादा समीर रिजवी किसी और वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। वजह उनका प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक मिस्ट्री गर्ल के साथ जुड़ी डेटिंग की चर्चाएं हैं। सोशल मीडिया पर इंडो–कनाडाई मॉडल और प्रेजेंटर येशा सागर का नाम उनके साथ जोड़ा जा रहा है। एक रेडिट पोस्ट से शुरू हुई यह चर्चा अब बड़े स्तर पर वायरल हो चुकी है। उत्तर प्रदेश से आने वाले समीर रिजवी ने आईपीएल 2024 के ऑक्शन में कमाल दिखाया था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज को चेन्नई सुपर किंग्स ने 8.40 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस ऑक्शन से पहले तक शायद ही कोई समीर को जानता था, लेकिन नीलामी में करोड़पति बन इस खिलाड़ी ने तहलका मचा दिया था। हालांकि, एक साल बाद ही चेन्नई ने उन्हें रिलीज कर दिया था। इसके बाद वह 2025 में दिल्ली में

गए और इस सीजन भी दिल्ली के लिए ही खेल रहे हैं। समीर को यूपी की टीम में उनकी बल्लेबाजी के लिए दाएं हाथ सुरेश रैना 2.0 कहा जाता है। समीर ने अपने क्रिकेट करियर में सिर्फ यूपी ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों में भी आयोजित कई टूर्नामेंट, ट्रॉफी खेलीं। उन्होंने हर जगह अपनी शानदार बल्लेबाजी का कमाल दिखाया। उन्होंने आईपीएल 2025 से पहले ऑक्शन में दिल्ली कैपिटल्स ने 95 लाख रुपये में साइन किया था। इस कहानी की शुरुआत एक रेडिट यूजर के दावे से हुई, जिसमें कहा गया कि समीर रिजवी और येशा सागर एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं।

इसके बाद कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने दावा किया, हां, 100 प्रतिशत वह उनके साथ आईपीएल 2025 के मैचों में भी दिखी थीं। बस यहीं से यह मामला तेजी से वायरल हो गया और सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। फैंस का दावा है कि येशा सागर को आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के कई मैचों में देखा गया था। इसके अलावा वह यूपी टी20 लीग में भी बतौर होस्ट नजर आईं, जहां समीर रिजवी कानपुर सुपरस्टार्स के कप्तान हैं। दोनों की एक ही इवेंट्स और मैचों में मौजूदगी ने इन अफवाहों को और हवा दे दी। हालांकि, इन सभी चर्चाओं के बीच सबसे अहम बात यह है कि न तो समीर रिजवी और न ही येशा सागर ने इन अफवाहों पर कोई प्रतिक्रिया दी है। अब तक कोई विश्वसनीय या आधिकारिक स्रोत भी इस रिश्ते की पुष्टि नहीं करता।

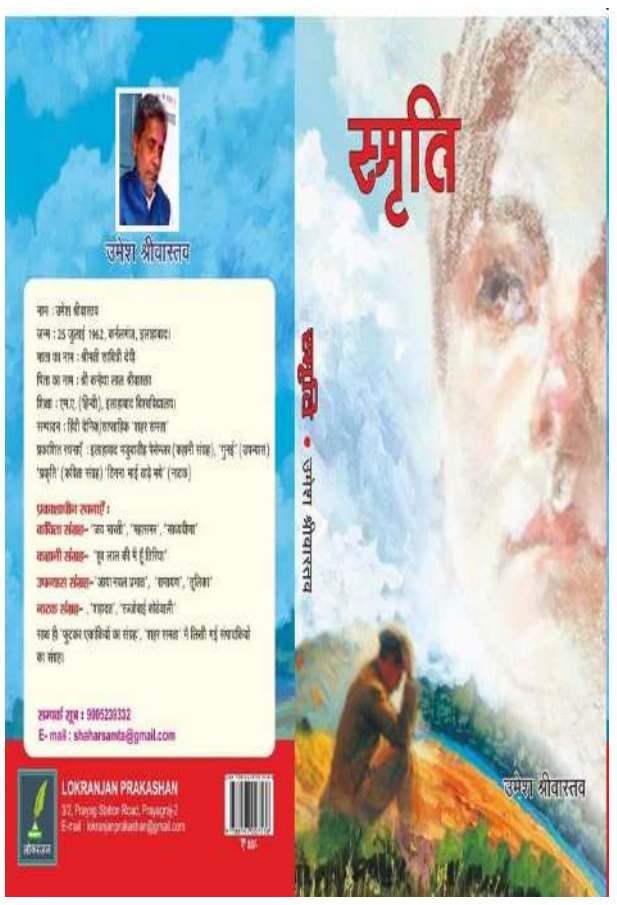

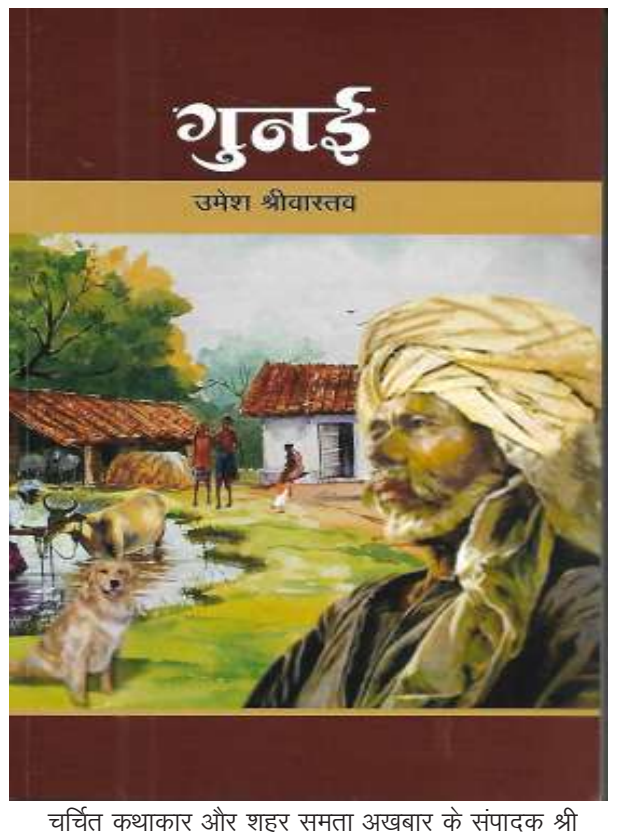

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

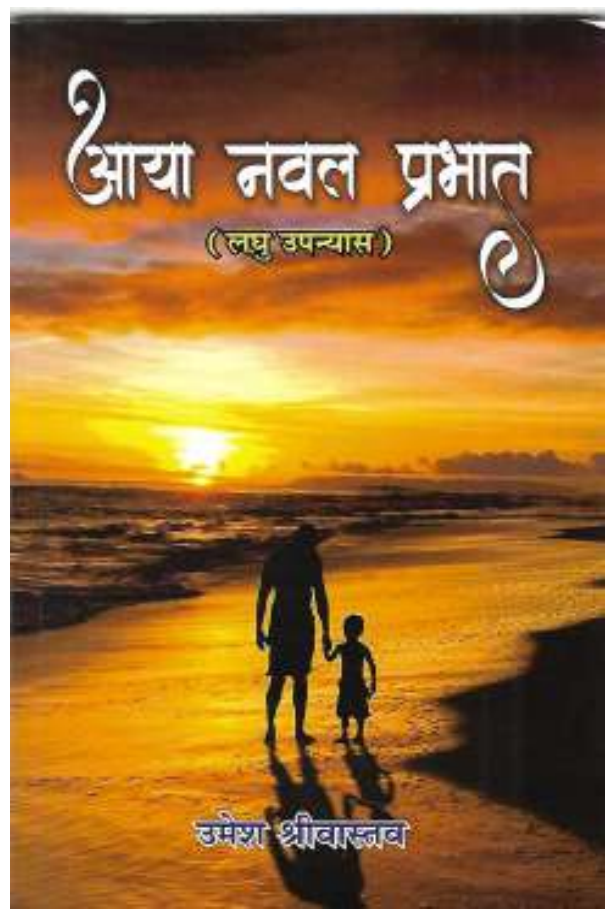

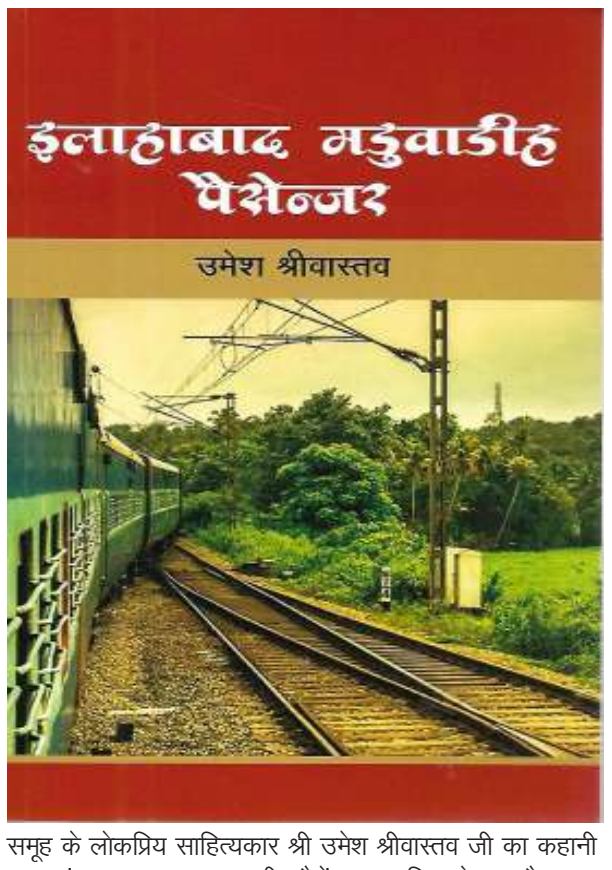

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

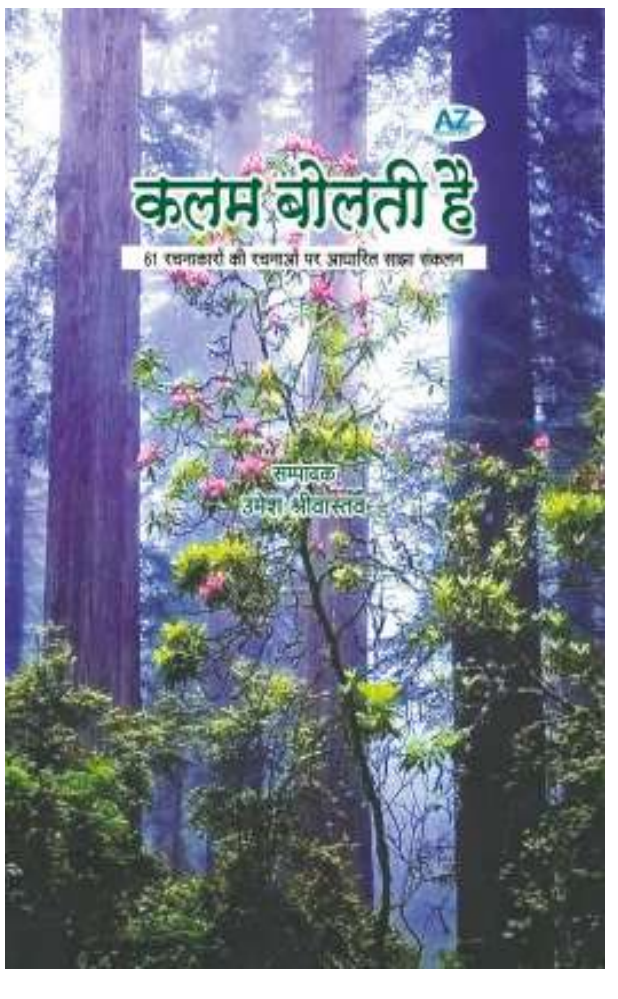

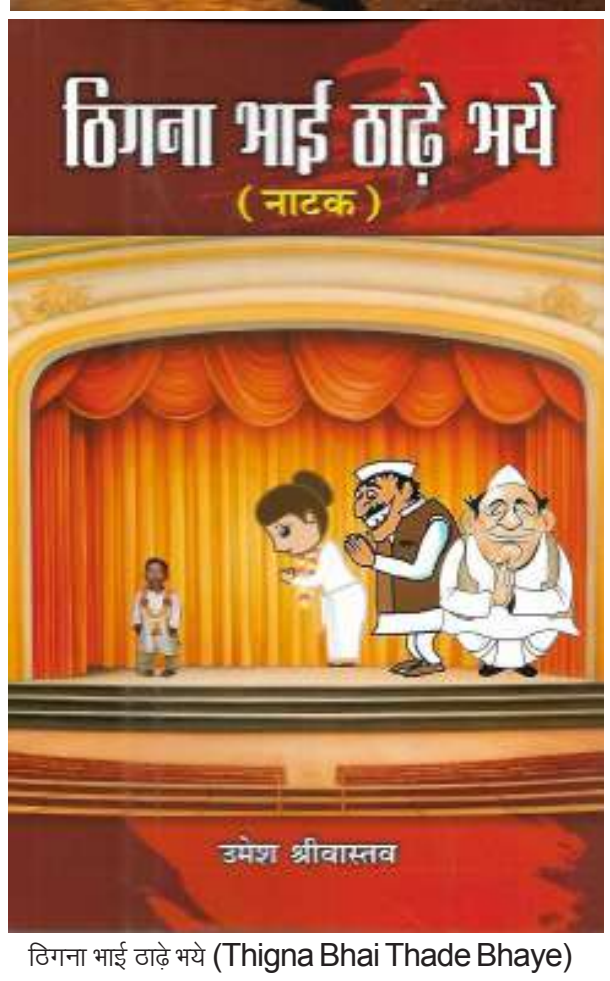

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

अमेरिका ने वेनेजुएला के कार्यवाहक राष्ट्रपति पर लगे प्रतिबंध हटाए, रोड्रिगेज ने बताया सकारात्मक कदम

एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। यह जानकारी अमेरिकी वित्त विभाग की वेबसाइट पर जारी एक अपडेट के अनुसार है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय ने बुधवार (स्थानीय समय) को कहा कि रोड्रिगेज को प्रतिबंध सूची से हटा दिया गया है। वहीं, शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, इस निर्णय के बारे में और अधिक जानकारी नहीं दी गई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक्स एक पोस्ट में, रोड्रिगेज ने इस कदम का स्वागत किया। उन्होंने इसे द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने और मजबूत करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। इसके साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि आर्थिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए वेनेजुएला पर लगे अतिरिक्त प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। उन्होंने पोस्ट किया, "राष्ट्रपति ट्रंप का निर्णय हमारे देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें विश्वास है कि यह प्रगति और दृढ़ संकल्प हमारे देश पर लगे अतिरिक्त सक्रिय प्रतिबंधों को हटाने की ओर ले जाएगा।" रोड्रिगेज ने आगे कहा ष्इससे हमारे लोगों के हित में तीव्र आर्थिक विकास, निवेश और प्रभावी द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। आइए, हम सभी के लिए एक समृद्ध वेनेजुएला की दिशा में काम करते रहें!ष रोड्रिगेज ने इससे पहले राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के अधीन उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य किया था। उनकी सरकार के सदस्यों को लक्षित करने वाले उपायों के तहत 2018 में संयुक्त राज्य अमेरिका की ओर से उन पर प्रतिबंध लगाए गए थे। दरअसल, 3 जनवरी को अमेरिकी सैन्य बलों ने वेनेजुएला के खिलाफ एक व्यापक अभियान चलाया। इसमें मादुरो और उनकी पत्नी को जबरन पकड़कर न्यूयॉर्क ले गए। इसके बाद रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पदभार संभाला और तब से वाशिंगटन उनके प्रशासन के साथ संपर्क में है।अमेरिका और वेनेजुएला के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। हाल के महीनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कुछ प्रतिबंधों में ढील दी है। विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र में। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े सिद्ध तेल भंडारों में से कुछ हैं । यह वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सोमवार को काराकास स्थित अमेरिकी दूतावास ने सात साल बंद रहने के बाद फिर से काम शुरू कर दिया।

'टकराव और संवाद दोनों के रास्ते खुल': पेजेशकियन का अमेरिकी जनता से सवाल- क्या युद्ध आपके हित में है?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिकी नागरिकों से सीधे सवाल करते हुए कहा कि क्या यह युद्ध वास्तव में उनके हित में है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर चार पन्नों के बड़े संदेश में कई बातें कहीं। दुबई से जारी इस संदेश में मसूद पेजेशकियन ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच टकराव और संवाद– दोनों रास्ते खुले हैं, लेकिन यह अमेरिका के लोगों पर निर्भर करता है कि वे किस दिशा को चुनते हैं। ईरानी राष्ट्रपति ने अमेरिकी जनता से पूछा सीधा सवाल पेजेशकियन ने सवाल उठाया, श्क्या वास्तव में इस युद्ध से अमेरिकी जनता के हित पूरे हो रहे हैं? क्या ईरान की ओर से ऐसा कोई वास्तविक खतरा था, जो इस तरह के कदम को सही ठहराए? अमेरिकी की आक्रामकता का जवाब देने को तैयार ईरानी राष्ट्रपति ने दावा किया कि आधुनिक इतिहास में ईरान ने कभी आक्रामक रुख नहीं अपनाया, जबकि उसके पास अपने कई पड़ोसी देशों से अधिक सैन्य क्षमता रही है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद ईरान ने संयम बरता है, लेकिन अगर उस पर हमला किया जाता है तो वह उसका सामना करने में सक्षम है और हर तरह की आक्रामकता को झेलने के लिए तैयार है। मसूद पेजेशकियन ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका इस संघर्ष में इस्राइल के लिए एक प्रतिनिधि (प्रॉक्सी) के रूप में शामिल हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्राइल ने अमेरिका को इस युद्ध में खींचा है और यह सवाल भी उठाया कि क्या अमेरिका फर्स्ट वास्तव में अमेरिकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। ईरान युद्ध का नतीजा तय करेगा आने वाली पीढ़ियों का भविष्य रू पेजेशकियन उन्होंने कहा कि ईरान द्वारा पड़ोसी देशों के खिलाफ की जा रही कार्रवाईयां वैध आत्मरक्षा पर आधारित एक संतुलित प्रतिक्रिया हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां टकराव का रास्ता पहले से ज्यादा महंगा और निष्फल साबित हो सकता है।

दोराहे पर एशिया के मजदूरः युद्ध के साए में रोजगार चुनें या जिंदगी, लाखों श्रमिक घर-परिवार के लिए अभी वहीं फंसे

दुबई/दोहा/मनीला, एजेंसी । अमेरिका–इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध ने खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों एशियाई प्रवासी मजदूरों को ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां हर दिन उनकी जिंदगी और रोजगार आमने–सामने खड़े हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मिसाइलों, सायरनों और अनिश्चितता के बीच एक सख्त सच्चाई उभर रही है कि जो लोग इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, वही सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं और सबसे कम विकल्प उनके पास हैं। कतर में घरेलू कामगार के रूप में काम कर रहीं 49 वर्षीय नोर्मा टैक्टाकॉन के लिए हर दिन डर के साथ शुरू होता है। फिलीपीन में उनका परिवार, पति और तीन बच्चे पूरी तरह उनकी कमाई पर निर्भर है। वह अब अपने पति के साथ फिलीपीन लौटकर छोटा व्यवसाय शुरू करने पर विचार कर रही हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

अपने ही घर में घिरे ट्रंपः डेमोक्रेटिक सांसदों ने यूएस के भविष्य पर उठाए सवाल, पूछा- ईरान से जंग कब होगी खत्म

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेटिक सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि आगे चलकर इस युद्ध की मानवीय, आर्थिक और भू–राजनीतिक कीमत बहुत भारी पड़ रही है। राष्ट्रपति के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले सांसदों ने एक साझा बयान जारी कर अपनी चिंताएं जाहिर की। डेमोक्रेटिक सांसदों ने लगाए आरोप सांसद ग्रेगरी मीक्स, एडम स्मिथ और जिम हाइम्स ने कहा राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी मर्जी से ईरान के खिलाफ यह युद्ध शुरू किया था। इसे शुरू हुए एक महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है, लेकिन ट्रंप अपने लक्ष्यों को हासिल करने के करीब भी

नहीं पहुंचे हैं। सांसदों का तर्क है कि इस सैन्य कार्रवाई से ईरान के शासन में कोई बुनियादी बदलाव नहीं आया है। ईरान अब भी परमाणु कार्यक्रम चलाने, मिसाइलें बनाने और आतंकी समूहों की मदद करने में सक्षम है। इसके अलावा, ट्रंप ईरान के आम लोगों को भी कोई राहत नहीं दे पाए हैं। नुकसान पर क्या बोले सांसदों ने इस युद्ध में हुए जान–माल के मानवीय और भौतिक नुकसान को उजागर करते हुए बयान में आगे कहा, अब तक 13 अमेरिकी सैनिक अपनी जान गंवा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं। युद्ध में अरबों डॉलर के हथियार और सैन्य उपकरण या तो बर्बाद हो गए हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। मानवीय नुकसान का जिक्र करते हुए सांसदों ने कहा कि हजारों ईरानी नागरिक मारे गए हैं, जिनमें 150 से ज्यादा स्कूली छात्राएं भी शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप की इस विनाशकारी कार्रवाई की वजह से बहुत से लोग अमेरिका के खिलाफ हो गए हैं और कट्टरपंथ बढ़ रहा है। अर्थव्यवस्था और सहयोगियों पर असर बयान में कहा गया कि इस युद्ध की वजह से दुनिया भर में तेल, खाद और हीलियम जैसी जरूरी चीजों की सप्लाई कम हो गई है। इससे अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है। सांसदों ने यह भी आरोप लगाया कि ट्रंप ने अपने पुराने और वफादार सहयोगियों का अपमान किया, उन पर दबाव डाला है और उन्हें नीचा दिखाया है। इसी वजह से अब कई मित्र देश इस युद्ध में अमेरिका का साथ देने से मना कर रहे हैं। कूटनीतिक समाधान की अपील

डेमोक्रेटिक सांसदों ने मांग की है कि ट्रंप देश को बताएं कि यह युद्ध कब और कैसे खत्म होगा। उन्होंने राष्ट्रपति से अपील की है कि वह तुरंत ईरान के साथ युद्धविराम पर बातचीत शुरू करें। सांसदों के अनुसार, इस विनाशकारी युद्ध को रोकने का यही एकमात्र तरीका है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही कूटनीतिक समाधान नहीं निकाला गया, तो अमेरिका एक और कभी न खत्म होने वाले युद्ध में फंस जाएगा, जिसके परिणाम और भी भयानक होंगे।

पश्चिम एशिया संकटः ट्रंप बार-बार क्यों कर रहे हैं युद्ध खत्म होने का दावा, क्या काम आ रहा ईरान का आर्थिक बम ?

एजेंसी, ईरान ने अमेजन के डाटा सेंटर पर ड्रोन हमला किया, बाटेलको के दफ्तर में कर्मचारी दहशत के मारे नहीं

बैठे। ईरान के आरजीसी ने 18 अमेरिकी कंपनियों पर 'आर्थिक बम' फोड़ने की चेतावनी जारी कर दी है। दूसरी तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के बयान लगातार बदल रहे हैं। वह अब 2–3 सप्ताह में युद्ध खत्म होने का दावा कर रहे हैं। आखिर आगे क्या होगा? भारतीय सेना के पूर्व मेजर जनरल विजय कुमार नेरुला कहते हैं कि पश्चिम एशिया में ईरान ने अमेरिका की सही नस पकड़ ली है। वह आर्थिक मोर्चे पर घेरेबंदी कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति अपने लोगों को खुश करने में लगे हैं। उनके अंदाज से लग रहा है कि पश्चिम एशिया के हालात से अपमानित महसूस कर रहे हैं। खाड़ी देश में तैनात रहे वरिष्ठ सूत्र का कहना है कि वहां के 13 अमेरिकी सैन्य अड्डे खाली हो चुके हैं। वहां कोई नहीं है और अमेरिकी अधिकारी, सैनिक लोग रिहाइशी इलाकों, होटलों में छिपकर रहे हैं। दुबई में रह रहे एके मेनन भी कहते हैं कि यहां के हालात लगातार खराब हो रहे हैं। कारोबार और व्यापार पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। अंदाजा यही लग रहा है कि अमेरिका पश्चिम एशिया से बाहर आने का सम्मानजनक रास्ता ढूंढ रहा है। यही कारण है कि ट्रंप एक बार कुछ और दूसरी बार कुछ कह रहे हैं। अमेरिकी कंपनियों को आरजीसी ने जारी की चेतावनी, हमला कभी भी कुवैत के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार को ईरान के ड्रोन हमले से ईधन टैंकों में आग लग गई। दूसरी तरफ ईरान के आरजीसी ने 18 टेक कंपनियों पर अमेरिका और इस्राइल को हमले में सहयोग करने का आरोप लगाया है। इनमें गूगल, अमेजन, बाटेलको, एप्पल, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, टेस्ला, बोइंग, डेल, सिस्को, एचपी, इंटेल,ओरैकल, जेपी मार्गन, जीई जैसी कंपनियां हैं। ईरान की कोशिश अमेरिका को आर्थिक मोर्चे पर डराने की है। वह सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात समेत सभी को भाई बता रहा है। उसके टारगेट पर अमेरिका, उसके सैन्य अड्डे, कारोबारी प्रतिष्ठान, दूतावास हैं। ईरान चेतावनी दे रहा है कि अमेरिका खाड़ी देशों को छोड़कर चला जाए। पूर्व मेजर जनरल विजय कुमार नेरुला का कहना है कि ईरान का मकसद अमेरिका से निबटना, उसे पीछे धकेलना है। वह अभी इस्राइल पर उतना ध्यान नहीं दे रहा है। भरोसे की कमी भड़का रही है युद्ध की आग ईरान के हुक्मरान अमेरिका और उसके दावे पर भरोसा नहीं कर रहे हैं। पूर्व ब्रिगेडियर एके सिंह का कहना है कि अमेरिका दुनिया का नंबर वन फॉयर पॉवर देश है। इस्राइल के साथ मिलकर सैन्य अभियान चला रहा है। ब्रिगेडियर सिंह कहते हैं कि गलत अनुमान के साथ अमेरिका और इस्राइल ने युद्ध शुरू किया। युद्ध शांति वार्ता के प्रयासों के बीच में शुरू हुआ। इसलिए विश्वास का संकट काफी गहरा है। हालांकि ब्रिगेडियर सिंह कहते हैं कि अमेरिका और ईरान दोनों के रणनीतिकार वार्ता और शांति के प्रयास की शुरुआत को स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन इसे धरातल पर आ पाने में समय लगेगा। अमेरिका के पास चारा नहीं है रक्षा और विदेश मामले के जानकार रंजीत कुमार कहते हैं कि अमेरिका की धमकी से ईरान ने डरना छोड़ दिया है। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान शांति से इनकार नहीं कर रहे हैं, लेकिन उनकी कुछ शर्तें हैं। ईरान सम्मान के साथ युद्ध की समाप्ति चाहता है। यह केवल राष्ट्रपति ट्रंप के जीत का दावा कर देने भर से नहीं रुकेगा। पूर्व एयर वाइस मार्शल एनबी सिंह कहते हैं कि इस्राइल की जिद पर युद्ध लंबा नहीं खिंचने वाला है। क्योंकि अमेरिका हो रहे नुकसान से तंग है। दूसरी दुनिया के देशों पर बड़ा आर्थिक दबाव बढ़ रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप बार–बार कोशिश कर रहे हैं कि होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए नाटो संगठन देश आगे आएं। दुनिया के अन्य देश भी पहल करें, लेकिन इटली, आस्ट्रेलिया समेत तमाम देश पीछे हट गए हैं। इस्राइल से भी खबरें आ रही हैं कि वहां की जनता में युद्ध को लेकर नाराजगी बढ़ रही है। अमेरिका के 50 शहरों में 90 लाख लोग युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं। इसलिए अमेरिका के पास 'एक्जिट रूट' के अलावा कोई चारा नहीं है। ....तो क्या इस्राइल के साथ जमीनी हमला नहीं करेगा अमेरिका?

रंजीत कुमार कहते हैं कि लेबनान में इस्राइल का जमीनी हमला जारी है। वहां चल सकता है, लेकिन ईरान में आसान नहीं है। ईरान के पास शाहेद, कामेकाजी जैसे ड्रोन हैं। बैलिस्टिक हाइपरसोनिक मिसाइल है। अंडर वाटर अन मैन्ड वेहिकिल हैं और लाखों की संख्या में सैनिक, सैन्य कमांडो हैं। ईरान कोई सीरिया, लीबिया, इराक, फिलिस्तीन या अफगानिस्तान नहीं है। उसके पास सैन्य साजो–सामान हैं। इसलिए अमेरिका जमीनी हमले को लेकर एक राय नहीं बना पा रहा है। उसके रणनीतिकार इसके खतरे का आभास कर रहे हैं।

ट्रंप नाटो से नाराजः ईरान में जंग के बीच विदेश मंत्री रुबियो की पुरानी पोस्ट वायरल क्यों, किस बयान पर चर्चा ?

वॉशिंगटन, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का दो साल पुराना एक सोशल मीडिया पोस्ट फिर से चर्चा में आ गया है। इसमें उन्होंने तर्क दिया था कि अमेरिकी राष्ट्रपतियों के पास नाटो (NATO) से अकेले बाहर निकलने का अधिकार नहीं होना चाहिए। यह मामला तब दोबारा उठा है जब राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के बाद वह नाटो में अमेरिका की भूमिका पर फिर से विचार करेंगे। रूबियो की पोस्ट में क्या? दिसंबर 2023 में रुबियो फ्लोरिडा से सीनेटर थे।

तब उन्होंने एक्स पर लिखा था, शकिसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को सीनेट की मंजूरी के बिना नाटो से हटने का अधिकार नहीं होना चाहिए।श उस समय रुबियो ने एक कानून का समर्थन किया था। यह कानून किसी भी राष्ट्रपति को कांग्रेस की सहमति के बिना इस ऐतिहासिक सैन्य गठबंधन से बाहर निकलने से रोकता है। उन्होंने इसे राष्ट्रीय हितों और लोकतांत्रिक सहयोगियों की सुरक्षा के लिए एक जरूरी कदम बताया था। पुराना पोस्ट हुई वायरल बुधवार को यह पुराना पोस्ट फिर से वायरल हो गया और इसे 23 लाख से ज्यादा लोगों ने देखा। इस पर सीनेट में अल्पमत के नेता चक शूमर ने भी अपनी बात रखी। शूमर ने कहा कि सीनेट नाटो छोड़ने और अपने सहयोगियों का साथ छोड़ने के पक्ष में वोट नहीं देगी। उन्होंने रुबियो को उस कानून के लिए धन्यवाद दिया जिसके तहत नाटो छोड़ने के लिए सीनेट में दो–तिहाई बहुमत की जरूरत होती है। शूमर ने कहा कि यह कानून सुनिश्चित करता है कि कोई भी राष्ट्रपति अपनी मर्जी से ऐसा फैसला न ले सके। क्या बोले रुबियो?

मंगलवार को एक टीवी कार्यक्रम में रुबियो ने अपनी पुरानी स्थिति पर बात की। उन्होंने माना कि पहले वह नाटो को अमेरिका की ताकत बढ़ाने का एक अच्छा जरिया मानते थे। लेकिन अब उन्हें लगता है कि नाटो एकतरफा रास्ता बन गया है। उन्होंने कहा कि जब अमेरिका को सैन्य कार्रवाई में मदद की जरूरत है, तब कई वैश्विक नेता पीछे हट रहे हैं। खबरों के अनुसार, इटली और स्पेन ने अमेरिकी विमानों को अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने से मना कर दिया है। फ्रांस और स्पेन ने अपने हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर भी पाबंदी लगा दी है। रुबियो ने सवाल उठाया कि अगर जरूरत के समय इन ठिकानों का इस्तेमाल ही नहीं हो सकता, तो वहां अरबों डॉलर और अमेरिकी सेना रखने का क्या फायदा? नाटो से राष्ट्रपति ट्रंप नाराज

यूरोपीय देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों की सुरक्षा के लिए अपने जहाज भेजने से भी मना कर दिया है। इससे राष्ट्रपति ट्रंप काफी नाराज हैं। उन्होंने नाटो सदस्यों को श्कायरश और श्कागजी शेरश कहा है। ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह नाटो से कभी प्रभावित नहीं थे और रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जानते हैं कि यह एक कागजी शेर है। हालांकि, 2024 में रुबियो ने सीबीएस न्यूज को बताया था कि उनका 2023 का कानून खास तौर पर ट्रंप को टारगेट करके नहीं था। उन्होंने यह विश्वास जताया था कि राष्ट्रपति असल में गठबंधन से पीछे नहीं हटेंगे। उस समय, उन्होंने सुझाव दिया था कि ट्रंप बस अपने अनोखे तरीके से कुछ नाटो देशों से और ज्यादा करने की मांग करेंगे।

ईरान में जंगः पाषाण युग में भेजने की धमकी से लेकर शांति वार्ता तक, 19 मिनट के संबोधन में ट्रंप क्या कुछ बोले?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने राष्ट्र संबोधन में पूर्व समकक्ष बराक ओबामा पर कटाक्ष किया। अमेरिकी राष्ट्रपति कहा, ष्उन्होंने ईरान के मामले में गलती की।ष ओबामा प्रशासन के दौरान हुए ईरान परमाणु समझौते का जिक्र

किए बिना ट्रंप ने कहा कि यह एक गलती थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे सुधारने का उन्हें सम्मान मिला। ट्रंप ने आगे कहा कि समझौते के बाद ईरान हम पर हंस रहा था। ट्रंप का इशारा ईरान के साथ हुए परमाणु समझौते की ओर था, जबकि वह परमाणु हथियार बनाने की कोशिशें जारी रखे हुए था। उन्होंने कहा, मैंने बराक हुसैन ओबामा के ईरान परमाणु समझौते को खत्म कर दिया। यह एक आपदा थी। ओबामा ने उन्हें 1.7 अरब डॉलर नकद दिए। उनका सम्मान और वफादारी खरीदने की कोशिश में, लेकिन यह काम नहीं आया। उन्होंने हमारे राष्ट्रपति का मजाक उड़ाया और परमाणु बम बनाने के अपने मिशन पर आगे बढ़ गए। निर्णायक जीत का दावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि अमेरिका ने ईरान के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल कर ली है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष अब एक अहम मोड़ पर पहुंच चुका है। ईरान की सैन्य क्षमता नष्टरू उन्होंने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमताएं लगभग खत्म कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी नौसेना समाप्त हो चुकी है, वायुसेना कमजोर पड़ गई है और मिसाइल भंडार को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान में नेतृत्व परिवर्तनरू ट्रंप ने कहा कि ईरान में नेतृत्व परिवर्तन हो चुका है। पुराना नेतृत्व काफी हद तक हट चुका है, जिसकी जगह एक कम कट्टरपंथी समूह ने ले ली है। परमाणु बम नहीं बनाएगा ईरानरू उन्होंने दोहराया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ईरान को परमाणु बम हासिल करने से रोकना था और यह लक्ष्य लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने दावा किया कि ईरान अब परमाणु बम नहीं बनाएगा। खाड़ी देशों और इस्राइल के साथ खड़ा रहेगा अमेरिकारू व्हाइट हाउस से अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा, श्हमें मध्य पूर्व में हमारे सहयोगी देशों इस्राइल, सऊदी अरब, कतर, यूएई, कुवैत और बहरीन को धन्यवाद देना चाहता हूं।

अंतरिक्ष में टॉयलेट का जिक्र! आर्टेमिस-2 में गए यात्रियों के कमांडर ने पहले संदेश में क्या कहा?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने आर्टेमिस–2 मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर से एसएलएस (ै) रॉकेट ने श्इंटीग्रिटीश नाम के ओरियन कैप्सूल को अंतरिक्ष में पहुंचाया। भारतीय समय के अनुसार यह लॉन्चिंग गुरुवार सुबह 4रू05 बजे हुई। इस मिशन के साथ ही इंसान करीब 54 साल बाद एक बार फिर चांद की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। इस मिशन को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नासा के आर्टेमिस 2 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर नासा की टीम और अंतरिक्ष यात्रियों को बधाई दी है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।